



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 156]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 1, 1987/चैत्र 11, 1909

No. 156]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 1, 1987/CHAITRA 11, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात-व्यापार नियंत्रण

आदेश संख्या 68/85-88

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 1/87

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1987

का.आ. 281(अ) :- आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ को छोड़कर, किसी भी देश से भारत में कच्चे माल और संघटकों और उपभोग्यों को वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :-

1. आयात की जाने वाली मर्च सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना द्वारा यथा-संशोधित आयात एवं निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट 2, 3, 5 और 8 के अन्तर्गत न आती हैं।

2. इस लाइसेंस के अधीन शर्तों को आयात करने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

3. कच्चे माल, संघटक और उपभोग्य संबद्ध वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) के खुद के उपयोग के लिये अर्पित हों, अर्थात् वास्तविक उपयोक्ता शर्तों के अधीन हों।

4. वास्तविक उपयोक्ता इस लाइसेंस के अधीन आयात की गई मर्च के उपयोग एवं उपयोग का निर्धारित प्रपत्र एवं विविनसूचक उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखों को लाइसेंस प्राधिकारी या अन्य सरकारी प्राधिकारी को उनके द्वारा निर्दिष्ट समय के भीतर प्रस्तुत करेगा।

5. माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) वास्तविक उपयोक्ता के रूप में संबद्ध प्राधिकरण के पास अपने औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण अर्थात् औद्योगिक लाइसेंस पंजीकरण की सं. और तारीख विनिर्माण के उत्पाद (उत्पादों) के विवरण देते हुए और इस बात की पुष्टि करते हुए सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को एक घोषणा पत्र भेजेगा कि (1) ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण रद्द नहीं किया गया है या वापस नहीं लिया गया है या उसे अन्यथा रूप से प्रभावहीन नहीं किया गया है और (2) इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित मर्च उनके औद्योगिक लाइसेंस/संबंधित प्रायोजक प्राधिकारी के पास औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकरण के नियम और शर्तों और उनके अनुमोदित चरणबद्ध विनिर्माण प्रोग्राम के विस्तृत अनुसार है। यदि प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा अलग से लाइसेंस पंजीकरण संस्था न दी गई हो तो आयातक को सीमा-शुल्क प्राधिकारी की संतुष्टि के लिये इस संबंध में अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे कि वह लाइसेंसधारी है/औद्योगिक

एकक के रूप में पंजीकृत है और किये गये आयात के लिये पाव है। बाल की निकासी के समय, वास्तविक उपयोक्ता (श्रीछोणिक), प्रायोजक प्राधिकारी या अन्य संबंधित प्राधिकारी द्वारा उनके लिये अनुमोदित ऋणबद्ध विनिर्माण प्रोग्राम यदि कोई हो तो उसकी एक प्रमाणित प्रति भी भेजेगा।

6. महानिदेशक, तकनीकी विकास के एककों और वस्त्र मशीनरी निमाता एककों द्वारा संघटकों का आयात 1985-88 के लिये संगत आयात नीति में निर्धारित सूची साध्यांकन क्रियाविधि के अधीन होगा। महानिदेशक, तकनीकी विकास वस्त्र आयुक्त के साथ पंजीकृत और ऋणधार विनिर्माण कार्यक्रम के अधीन वास्तविक उपयोक्ता (श्रीछोणिक) सीमा-शुल्क के माध्यम से निकासी के समय संघटकों की एक सूची भेजेंगे जो महानिदेशक, तकनीकी विकास/वस्त्र आयुक्त द्वारा आयात के लिये विधिकत् स्वीकृत और साध्यांकन होगी या महानिदेशक तकनीकी विकास/वस्त्र आयुक्त के साध्यांकन के लिये जो सूची भेजी गई थी उस पर इस संबंध में एक घोषणा होगी कि प्रस्तुत की गई सूची बही है जो महानिदेशक, तकनीकी विकास (आयात और निर्यात नीति सेल) उद्योग भवन, नई दिल्ली अथवा वस्त्र आयुक्त जो भी हो, को भेजी गई थी और वह महानिदेशालय तकनीकी विकास/वस्त्र आयुक्त को प्रस्तुत करने की तिथि से 30 दिनों के भीतर वास्तविक उपयोक्ता द्वारा वापस प्राप्त नहीं हुई है। जहां आयात की निकासी ऐसी की गई घोषणा के आधार पर की जाती हो वहां संघटकों की निकासी के लिये उनकी मात्रा/मूल्य की संख्या वास्तविक उपयोक्ता द्वारा महानिदेशक, तकनीकी विकास/वस्त्र आयुक्त को सीमा शुल्क के माध्यम से निकासी के 30 दिनों के भीतर दी जायेगी।

7. सूची साध्यांकन क्रिया विधि उन लघु उद्योगों के लिये भी लागू होगी जिनका ऋणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है। ऐसे एककों के सम्बंध में, संघटकों की सूची का साध्यांकन विकास आयुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली द्वारा उसी तरीके से किया जायेगा जो कि उपर्युक्त शर्त सं. (6) में उल्लिखित है।

8. उपर्युक्त दर्शाई गई सूची साध्यांकन क्रियाविधि उन एककों के लिये भी लागू होगी जिनके ऋणबद्ध विनिर्माण प्रोग्राम समाप्त हो चुके हों।

9. जिन वास्तविक उपयोक्ताओं (श्रीछोणिक) के पास प्रायोजक प्राधिकारी के अस्थाई पंजीकरण है, वह भी इस लाइसेंस के अधीन कच्चे माल और संघटकों और उपभोग्यों का आयात करने के लिये पात्र होगा।

10. जिन वास्तविक उपयोक्ताओं (श्रीछोणिक) के पास प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया ऐसा पंजीकरण प्रमाण पत्र है जिसे विशेष रूप से "प्रस्तावित" चिह्नित किया गया है तो वे भी कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्यों का आयात करने के लिये इस लाइसेंस के अधीन पात्र हैं, परन्तु उनके मामले में वास्तविक उपयोक्ता की ओर से राज्य श्रीछोणिक विकास निगम या राज्य वित्त निगम को आयात की अनुमति केवल तब होगी जब निकासी के समय यह साध्य प्रस्तुत किया जाये कि संबंध वास्तविक उपयोक्ता ने आयातित माल के लागत-सीमा भाड़ा मूल्य के 25 प्रतिशत के बराबर मूल्य के लिये बैंक गारण्टी के साथ इस संबंध में एक बण्ड भेजा है कि वास्तविक उपयोक्ता आयातित माल का उचित उपयोग करने वाले यूनिट के समर्थन में प्रायोजक प्राधिकारी से एक प्रमाणपत्र संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा।

11. बृहत क्षेत्र के सभी श्रीछोणिक एकक इस लाइसेंस के अधीन आयात की गई मर्चों के ध्येय और मूल्य को दर्शाते हुए मर के लिये यथा उपयुक्त एक आवधिक विवरण, महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली या अन्य संबंध प्राधिकारी और हलैन्डरानि विभाग को भेजेंगे।

लघु क्षेत्र के श्रीछोणिक एककों को उसी प्रकार के विवरण संबंध क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों को सौंपने चाहिये। ये विवरण लाइसेंस वर्ष के 30 सितम्बर और 31 मार्च के अनुसार भेजे जायेंगे। ऐसा प्रत्येक विवरण दर्शाई गई अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जायेगा।

12. ये लाइसेंस आयात (निर्गम) आवेद, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन भी होंगे।

13. मानव निर्मित रेशों, मोटे सन, तागों, कच्ची ऊत/चिकनी ऊत/पटेला ऊत (जो कि साफ अथवा कंधी न की गई हो)/अंगोरा बकरी के बाल (बोहेयर/अंगोरा बकरी के चिकने बाल (मोहेयर) अंगोरा बकरी के पटेला बाल (मोहेयर), (साथ अथवा कंधी न किये हुए), ऊनी एम/संश्लिष्ट रेश/पूर्ण रूप से कटी-फटी अवस्था से पहले की अवस्था में रही ऊत के संबंध में पात्र आयातकों को अपनी सविदायें वस्त्र आयुक्त, बम्बई के पास पंजीकृत करवानी पड़ेंगी। आयात तभी किये जायेंगे जब संबंधित सविदाओं पर वस्त्र आयुक्त, बम्बई द्वारा ऐसे पंजीकरण के माध्यम के रूप में मोहर लगा दी गई हो। इस उद्देश्य के लिये सविदा की दो प्रतियां वस्त्र आयुक्त के पास रखी जायेंगी और वह आयातकों को माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों के प्रस्तुतीकरण के लिये एक प्रति वापस कर देगा जिसके प्रत्येक पृष्ठ पर विधिकत् मोहर लगी होगी। बाद के ठेकों के पंजीकरण के समय पात्र आयातकों को एक विवरण भी प्रस्तुत करना चाहिये जिसमें पूर्व पंजीकृत सभी ठेकों के संबंध में आयातों में की गई प्रगति और आयातित माल का उपयोग/निपटान दर्शाया जाना चाहिए।

14. जैसा कि ऊपर पैरा (12) में दिया गया है वस्त्र आयुक्त, बम्बई के पास सविदा के पूर्व पंजीकरण से संबंधित शर्त के अधीन पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं को विवरण के लिये मानव निर्मित रेशे, मोटा सन और तागे भी इस लाइसेंस के अधीन भारतीय राज्य व्यापार निगम (एम टी सी), नई दिल्ली द्वारा आयात किये जा सकते हैं।

15. सोडा ऐश, पी बी सी रोजिन, और तांबा कतरन/तांबा मिल स्केन के लिये पात्र आयातकों को अपनी सविदाएं महानिदेशक, तकनीकी विकास (आयात-निर्यात नीति सेल), उद्योग भवन, नई दिल्ली के पास पंजीकृत करवानी चाहिये। महानिदेशक तकनीकी विकास के पास पंजीकरण की प्रक्रिया बही होगी जो ऊपर पैरा 12 में दी गई है।

16. रेमिनिन के मामले में सभी पात्र आयातकों को अपने ठेके विकास आयुक्त (सेपज) शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001 के कार्यालय में संयुक्त सचिव और विकास आयुक्त (सेपज) के पास पंजीकृत कराने होंगे। ठेकों को विकास आयुक्त (सेपज) के कार्यालय में पंजीकृत कराने की क्रियाविधि बही होगी जो ऊपर पैरा (12) में दी गई है।

17. विटामिन बी-6 (पायरिडोक्सीमिन एच सी एल/पायरिडोक्सीमिन रेम) और पायरिडोक्सीमिन के मध्यस्थों के मामले में सभी पात्र आयातकों को अपनी कुल आवश्यकताओं के 33 प्रतिशत की सीमा तक के लिये मै. इंडियन ड्रग एण्ड फार्मेस्यूटिकल्स लि. (आई डी पी एल) को पहले आदेश देना होगा। संबंध आयातक की शेष आवश्यकता अर्थात् 67 प्रतिशत के लिये आयातक द्वारा मै. आई डी पी एल को दिये गये पत्रके आदेश के बसावैजी माध्यम या इसके नाम में खोले गये सामयक के आधार पर कस्टम विभाग निकासी की अनुमति देगा।

18. (1) ऊनी धियड़ों/रटी ऊत/संश्लिष्ट धियड़ों के आयात की अनुमति केवल तब दी जायेगी जब कि इनका आयात पूर्णरूप से कटी-फटी अवस्था से पहले की अवस्था में किया जा रहा हो।

(2) इस प्रयोजन के लिये ऊनी धियड़ों की परिभाषा इस प्रकार दी गई है :-

(क) "तए" ऊनी गपड़े के अवशेष चाहे वह धुने हुए या कड़ाई किये हुए कपड़े के हों और जो वस्त्रों की कटाई

करने के साथ बच जाते हों इनमें दर्जी द्वारा काट दिये गये वास्तविक टुकड़े, त्याग दिये गये तमूने और सैम्पन के टुकड़े भी शामिल हैं।

(ख) "पुराने" ऊनी कपड़े के वे बिथड़े (कटाई किये हुए गौर कांटे से बने हुए कपड़ों सहित) जो रूखे यानों के विनिर्माण के लिये आवश्यक हों और उनमें सजावटी मर्दे या फटे हुए कापड़े, सँले कपड़े या ऐसे कपड़े शामिल हों जिनकी सफाई या मरम्मत न की जा सकती हो।

(3) यह परिभाषा संश्लिष्ट विषयों के लिये आवश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होगी।

19. कच्चे काजू की गिरी के मामले में, भारतीय काजू निगम, इस संबंध में, नीति के अनुसार वास्तविक उपयोगता (संसाधन एककों) की वितरण करने के लिये हम लाइसेंस के अन्तर्गत आयात करने लिये भी पात्र होगा।

20. कच्चे काजू की गिरी के मामले में आयात सविदा उसके निष्पादन के 7 दिनों की अवधि के भीतर भारतीय काजू निगम के पास आयातक द्वारा पंजीकृत कराई जायेगी।

21. हम लाइसेंस में आयात के लिये अनुमित कच्चा सोहा जिसमें फास्फोरस की मात्रा 0.1 प्रतिशत से अधिक न हो कार्बन इस्पात की मर्दों और मिश्रित इस्पात की मर्दों के मामले में, पात्र आयातकों की ऐसी संविदा करने की तारीख से 30 दिनों के भीतर या माल के पोतलवान की तिथि को, इनमें जो भी पहले हो, उसी को सोहा एवं इस्पात नियंत्रक, कलकत्ता या उसके किसी क्षेत्रीय कार्यालय के पास अपनी आयात सविदाओं का पंजीकरण कराना पड़ेगा। सोहा एवं इस्पात नियंत्रक के पास पंजीकरण करवाने की प्रक्रिया बही होगी जो ऊपर पैरा (12) में दी गई है।

22. महामारी नाशक और घात-पात नाशी सहित कीटनाशक के मामलों में संबंध वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) प्रत्येक माल के परेषण की निकासी के सात दिनों के भीतर आयातित माल, उसकी मात्रा और उसके लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के ध्यौरे कृषि विभाग (वनस्पति संरक्षण विभाग), नई दिल्ली को सूचित करेगा।

23. पालिमिलिकान, सिगन क्रिस्टल सिलिकान इन्गोट/बार्स/राइम/बेकर्स और मेटलुर्जिकल ग्रेड सिलिकान के भलावा डिप्यूज्ड वाटर्स/डाइसिम/चिप्स के मामले में आयात सविदा मासपत्र खोलने से पहले इन्फ्रानिक्की विभाग, लोकनायक भवन, नई दिल्ली के पास पंजीकृत कराई जायेगी ऐसे रजिस्ट्रेशन के साक्ष्य के रूप में इन्फ्रानिक्की विभाग द्वारा संबंधित सविदाओं पर मोहर लगाने के पश्चात् ही आयात किया जायेगा।

24. अविनिमित हाथी दांत के मामले में आयात की अनुमति जंगली फाउला और फलौरा की संकटापन्न जातियों पर अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार समझौते (सी आई टी ई एस) के विनियमों के अधीन दी जायेगी। आयात की अनुमति केवल क्षेत्रीय निवेशक, जंगली जीव संरक्षण, पर्यावरण विभाग द्वारा निरीक्षण करने पर दी जायेगी।

25. गीस और स्नेहक तेल के मामले में 10,000 रुपये तक आयात किया जा सकता है बशर्ते कि भारतीय तेल निगम, मार्केटिंग रिजिजन, बम्बई ने अनापति प्रमाण पत्र जारी कर दिया हो।

26. आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट 6 की सूची 8 के भाग-1 में उल्लिखित कुछ मर्दों के मामले में विशेष उद्योगों के नामों का उल्लेख किया गया है। इन मर्दों के लिये संबंधित उद्योगों में बने हुए केवल वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) ही आयात के लिये पात्र होंगे।

27. आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 सूची-8, भाग-2 में आने वाली मर्दों का वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) द्वारा आयात वास्तविक उपयोगताओं/मर्दों के अधीन किया जा सकता है और निर्यात सबनों/व्यापार सबनों द्वारा आयात आर ई पी/प्रतिरिक्त लाइसेंसों के मर्दे पात्र वास्तविक उपयोगताओं (औद्योगिक) के विक्री के लिये नीति के अनुसार वास्तविक उपयोगता शर्तों के अधीन किया जा सकता है।

28. आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6, सूची-8 के भाग 3 के अधीन आने वाली मर्दों, खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) और अन्यो द्वारा बण्डार एवं विक्री के लिये आयात की जा सकती है।

29. कतड़न के रूप में आयातित पतिल/नांचा पाइप और ट्यूब के मामले में लम्बाई में उनका आकार 15 सें.मी. से अधिक नहीं होना चाहिये जब तक कि उनका आयात हाइड्रोलिक मर्दो वेल्ड ट्रिकेट्स में कतरन के रूप में नहीं किया जाता।

30. इस लाइसेंसों के अधीन आयात द्वारा संबद्ध औद्योगिक एकक का उत्पादन स्वीकृत प्राधिकृत क्षमता से अधिक नहीं होगा और संबद्ध एकक अपने अनुमोदित चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के अनुपालन का सुनिश्चय करेंगे।

31. इस प्रकार आयात किया जाने वाला माल वकिण अफ्रीका संघ वकिणी पवित्री अफ्रीका में तैयार प्रथका विनिर्मित नहीं किया गया हो

32. इस प्रकार के माल के पोतलवान किसी भी रियायती अवधि चाहे जो कुछ भी हो, के बिना लाइसेंस वर्ष की फरवरी की अंतिम तिथि को या इससे पूर्व खोले गये/स्थापित किये गये अपरिवर्तनीय मास-पत्रों के मर्दे लाइसेंस वर्ष के 31 मार्च को या इससे पहले या वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) के मामले में लाइसेंस वर्ष के 30 जून, 1985 को या उससे पूर्व भारत के लिये परेषित कर दिये गये हों।

33. उपयुक्त शर्त 'सं. 32 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में भारतीय राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मर्द के मामले में, सरकार का ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गये और स्थापित किये गये अपरिवर्तनीय मासपत्र द्वारा समर्थित पत्रों के आवेशों के मर्दे पोत लवान किम्प जाना चाहिये।

34. यदि किसी माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालते हुए कोई अन्य निषेध या विनियम लागू हो तो इस लाइसेंस का उसकी प्रयोज्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

35. प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपयोगताओं (औद्योगिक)/आयातक को किसी ऐसे आयात/अनुपालन से किसी समय भी उन्मुक्ति, रियायत या छूट प्रदान नहीं करता जो इसे अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के सहित पूर्ण करने हों। आयातकों को उनके लिये लागू अन्य सभी कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन करना चाहिये।

टिप्पणी :—इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग बर्द" और "लाइसेंसिंग बर्द" का जहाँ भी "अमल आता है उसका वही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1) में उल्लिखित है।

[मिनिस्. आर ई पी सी/3/18/85]]

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 68/85-88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 1/87

New Delhi, the 1st April, 1987

S.O. 281(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Import and Exports (Control) Act,

1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa|South West Africa, raw materials, components and consumables by Actual Users (Industrial), subject to the following conditions :—

(1) The items to be imported are not covered by Appendices 2, 3, 5, and 8 of Import and Export Policy for 1985-88 (Vol. I) as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette.

(2) Instruments shall not be allowed to be imported under this Licence.

(3) The raw materials, components and consumables are required by the Actual User (Industrial) concerned for his own use, i.e. subject to the "Actual User" condition.

(4) The Actual User shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods imported under this Licence in the form and manner laid down, and produce such account to the licensing authority, or any other Government authority within such time as may be specified by it.

(5) Actual User (Industrial), at the time of clearance of the goods, shall furnish to the customs authorities a declaration giving particulars of their industrial licence|registration as Actual User with the concerned authority, namely, the Number and Date of the Industrial Licence|Registration and the end-products(s) of manufacture, and affirming that (i) such licence|registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative and (ii) the items imported under this Licence are strictly in accordance with the terms and conditions of their Industrial Licence|Registration, with the sponsoring authority concerned as an Industrial unit and their approved phased manufacturing programme. In case, no phased manufacturing programme has ever been approved for them, they should say so in the declaration. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed|registered as industrial unit and eligible to the import made. Actual Users (Industrial) shall also furnish at the time of clearance of goods a certified copy of phased manufacturing programme, if any, approved for them by the sponsoring authority or other concerned authority.

(6) Import of components by DGTD units and textile machinery Manufacturing units shall be subject to the List Attestation Procedure laid down in the relevant Import Policy for 1985-88. Actual Users (Industrial), registered with DGTD|Textile Commissioner and subject to phased manufacturing programme, shall furnish at the time of clearance through Customs a list of components, duly cleared for import and attested by DGTD|Textile Commissioner or their own declaration on the list of Components that was furnished to the DGTD|Textile Commissioner for attestation, to the effect that the list produced is the same which was furnished to DGTD (Import and Export Policy Cell), Udyog Bhavan, New Delhi or

Textile Commissioner, Bombay, as the case may be and has not been received back by the Actual User concerned from DGTD|Textile Commissioner within 30 days from the date the list was received in the DGTD|Textile Commissioner. Where import is cleared on such declaration, the components cleared and their quantity|value shall be intimated by the Actual User to DGTD|Textile Commissioner within 30 days of clearance through Customs.

(7) The list Attestation Procedure will also be applicable to the small scale units whose phased manufacturing programme has been approved by the DC (SSI), New Delhi. In respect of such units, the list of components will be attested by the DC (SSI), New Delhi, in the same manner as has been laid down in Condition number (6) above.

(8) List Attestation Procedure mentioned above shall also apply to those units whose phased manufacturing programme is over.

(9) Actual User (Industrial) having provisional registration with the sponsoring authority will also be eligible to import raw materials, components and consumables under this Licence.

(10) Actual Users (Industrial) having registration certificate issued by the sponsoring authority specifically marked "proposed" will also be eligible to import raw materials, components and consumables under this Licence, but in their case, the import will be allowed only to the State Industrial Development Corporation or State Financial Corporation on behalf of the Actual User, or on production of evidence, at the time of clearance, that the Actual User concerned has furnished a bond with a Bank guarantee for a value equal to 25 per cent of the CIF value of the goods imported, to the effect that the Actual user shall furnish to the licensing authority concerned a certificate of the sponsoring authority in support of the unit having properly utilised the imported material.

(11) All Industrial units in large scale sector shall submit to the DGTD, New Delhi or other sponsoring authorities concerned, and the Department of Electronics, New Delhi as appropriate to the item, periodical returns, indicating the description and the value of the items imported under this Licence. Industrial Units in the Small Scale Sector should send similar returns to the regional licensing authorities concerned. These returns shall be furnished as on 30th September and 31st March of the licensing year. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period indicated.

(12) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.

(13) "In respect of man-made fibre, tow, yarns, raw wool|greasy wool|scoured wool (not carded or combed)|angora goat hair (mohair)|greasy angora goat hair (mohair)|scoured angora goat hair (mohair) (not carded or combed), woollen rags|synthetic rags|shoddy wool in completely preutilated condition, all eligible importers shall be required to register their import contracts with the Textile Commissioner,

Bombay. Imports shall be made only after the connected contract has been stamped by the Textile Commissioner, Bombay, as an evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract shall be lodged with the Textile Commissioner. He will return one copy to the importer, duly stamped, on each page, for production to the customs at the time of clearance of goods. At the time of registration of subsequent contract, the eligible importer shall also furnish a statement indicating the progress made in import and utilisation/disposal of the imported material in respect of all contracts earlier registered.

(14) Import of man-made fibres, two and yarns under this licence can be made by the State Trading Corporation of India (STC); New Delhi for distribution to eligible Actual Users subject to the condition regarding prior registration of contracts with the Textile Commissioner, Bombay as in (13) above;

(15) In the case of Soda Ash, PVC Resin and Copper scrap/copper mill scale, all eligible importers shall be required to register their contracts with the DGTD (Import and Export Policy Cell), Udyog Bhavan, New Delhi. The procedure for registration of contracts with the DGTD shall be the same as in (13) above.

(16) In the case of Rifampicin, all eligible importers shall be required to register their contracts with the Joint Secretary and Development Commissioner (Drugs), Office of the Development Commissioner (Drugs), Shastri Bhavan, New Delhi-110001. The procedure for registration of contracts with the office of the Development Commissioner (Drugs) shall be the same as in (13) above.

(17) In the case of Vitamin B. 6 (Pyridoxin HCL/Pyridoxin base) and intermediates of Pyridoxin, all eligible importers shall be required to first place an order to the extent of 33 per cent of their total requirements with M/s. Indian Drugs and Pharmaceuticals Limited (I.D.P.L.). Customs shall allow clearance of the balance requirement, namely 67 per cent of the concerned importer on the basis of documentary evidence of the firm order placed on M/s. IDPI or letter of credit opened in their favour.

(18) (i) Import of woollen rags/shoddy wool/synthetic rags will be allowed only when these are imported in completely pre-mutilated condition,

(ii) Woollen rags for this purpose are defined as under :

(a) 'New'—waste woollen cloth woven or knitted which is left after a garment had been cut out including genuine tailor cutting piece ends, discarded pattern bunches and sample bits,

(b) 'Old'—Rags of woollen textile fabrics including knitted and crocheted fabrics which are required for manufacture of shoddy yarn and may consist of articles or furnishing or clothing or other clothing, so worn out soiled or torn as to be beyond cleaning or repair.

(iii) This definition shall apply mutatis-mutandis to synthetic rags.

(19) In the case of raw cashewnuts, Cashew Corporation of India will also be eligible to import under this licence for distribution to Actual Users (Processing Units), in accordance with the Policy in force in this regard.

(20) In the case of raw cashewnuts, the import contract shall be registered by the importer with the Cashew Corporation of India within a period of 7 days of its execution.

(21) In the case of Pig iron containing Phosphorous not more than 0.1 per cent, carbon steel items and alloy steel items permitted for import in this Licence, all eligible importers shall be required to register their import contracts with the Iron and Steel Controller, Calcutta, or with any of his regional Offices, within thirty days from the date of entering into such contracts or the date of shipment of goods, whichever is earlier. The procedure for registration of contracts with Iron and Steel Controller, shall be the same as in (13) above.

(22) In the case of insecticides including pesticides and weedicides, the Actual Users (Industrial) concerned shall, within seven days of the clearance of each consignment, intimate to the Department of Agriculture (Plant Protection Division), New Delhi, particulars of the items imported, the quantity and the c.i.f. value thereof.

(23) In the case of Polysilicon, single crystal silicon ingots/bars/rods/wafers and diffused wafers/dices/chips other than Metallurgical grade silicon, import contract shall be registered with the Department of Electronics, Lok Nayak Bhavan, New Delhi, before opening letter of credit. Import shall be made after the connected contracts have been stamped by the Department of Electronics, as an evidence of such registration.

(24) In case of unmanufactured ivory, import shall be subject to the regulations of convention on International Trade in Endangered species of Wild Fauna and Flora (CITES). Import shall be permitted only on inspection by the Regional Deputy Director, Wild Life Preservation, Department of Environment.

(25) In case of greases and lubricating oils import can be made upto Rs. 10,000- provided Indian Oil Corporation, Marketing Division, Bombay has issued no objection certificate.

(26) In respect of certain items mentioned in Appendix 6, List 8, Part I, of Import and Export Policy 1985—88, Vol. I, the names of specific industries have been mentioned for these items, only the Actual Users (Industrial) engaged in the respective industries will be eligible to import under O.G.L.

(27) Items covered under Appendix 6, List 8, Part II of the Import and Export Policy, 1985—88 (Vol I) can be imported by Actual Users (Industrial) subject to 'Actual User' condition and Export Houses/Trading Houses against REP/Additional Licences as per policy for sale to eligible Actual Users (Industrial) subject to 'Actual Users' condition.

(28) Items covered under Appendix 6, list 8 part III of the Import and Export Policy 1985—88 (Vol. I) can be imported under Open General Licence by Actual Users (Industrial) and others for stock and sale.

(29) In the case of brass/copper pipes and tubes imported as scrap, their size shall not exceed 15 cms in length, unless they are imported as scrap in hydraulically pressed briquettes;

(30) By import under this Licence, the production of the industrial unit concerned shall not exceed the licensed/authorised capacity, and the unit concerned shall ensure adherence to its approved phased manufacturing programme;

(31) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.

(32) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year or, in the case of Actual User (Industrial) on or before 30th June of the following licensing year against firm orders for which irrevocable letters of credit are opened and established on or before last date of February of the licensing year, without any grace period what-so-ever;

(33) Notwithstanding what has been provided in condition No. (32) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice.

(34) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported;

(35) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial)/importers may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

NOTE :—For the purposes of this Order, reference to “the licensing year” and the following licensing year”, wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985—88.

[File No. IPC/3/18/85]

आदेश सं. 69/85—88

श्रुता सामान्य लाइसेंस सं. 2/87

का.आ. 282 (अ):—आयात निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी

की गई मार्चजनिक सूचना द्वारा यथासंशोधित 1985—88 (खण्ड-1) की आयात और निर्यात नीति के परिशिष्ट-1, भाग-ख में विशिष्टीकृत विवरण के पूंजीगत माल का दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति देती है:—

(1) आयातक, महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली या राज्य के संबद्ध उद्योग निदेशक या अन्य संबद्ध प्रयोजक या सरकारी प्राधिकारी जो भी हो, के साथ पूंजीकृत एक ऐसा वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक या गैर-औद्योगिक) हो जिसे ऐसी मदी की अपने निजी कारखाने, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, संस्थान व्यावसायिक कार्यालय या अन्य संबद्ध परिसरों में “वास्तविक उपयोगिता” शर्त के अधीन आवश्यकता हो।

(2) अप्रैल, 1985—मार्च 1988 (खण्ड-1) के लिए आयात एवं निर्यात नीति के परिशिष्ट 1 भाग ख में प्रविष्टि सं. 1(1) के अंतर्गत उप प्रविष्टि संख्या (134) से (167) पर दिए गए मशीनों औजारों का आयात निम्नलिखित अनिवार्य शर्तों के अधीन किया जाएगा :—

(1) ‘पुरानी स्थिति’ की इन मशीनों का आयात अनुमति नहीं किया जाएगा।

(2) इन मशीनों के एन सी/सी एन सी रूपों की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(3) विषयाधीन पूंजीगत माल के आयात द्वारा आर्थिक का उत्पादन लाइसेंस प्राधिकृत क्षमता से अधिक नहीं होगा।

(4) इस प्रकार आयात किया गया माल नए निर्माण का होगा। यदि के पुरानी या सरम्मत की गई मर्दे होंगी तो उनके आयात की अनुमति केवल तब दी जाएगी जबकि मशीनरी केवल 7 वर्ष से अधिक पुरानी न हो और इसका शेष जीवन 5 वर्ष से कम न हो और निकासी के समय आयातक आयात किए जाने वाले देश के किसी स्वतंत्र व्यावसायिक सनदी इंजीनियर/किसी समतुल्य संस्थान से एक प्रमाणपत्र सीमा-शुल्क प्राधिकारी की निम्नलिखित बातें सिद्ध करते हुए प्रस्तुत करेगा :

(क) निरीक्षण की गई मशीनरी का ध्योरा:—

(1) तकनीकी विशिष्टीकरण के साथ विवरण मशीनरी के तकनीकी पैमफ्लेट्स/फोटोग्राफ भी साथ लगाए जाएं।

(2) देश के साथ, विनिर्माता का नाम

(3) क्रम सं./मशीन का अन्य पहचान निशान (मार्क)

(4) विनिर्माण की तारीख

(5) वर्तमान विज्ञेता द्वारा मशीन खरीदने का वर्ष/क्या मशीन नई या पुरानी खरीदी गई थी।

(ख) निरीक्षण का स्वरूप

(1) क्या मशीन का निरीक्षण चालू स्थिति में किया गया था।

(2) किए गए परीक्षणों के तकनीकी ध्योरे/परीक्षण रिपोर्ट की प्रति भी साथ लगाई जाए।

(3) निरीक्षण के लिए पालन किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मानक

(ग) मशीन इंजीनियर की टिप्पणी/निर्धारण

(1) यदि कोई मुख्य सुधार/सरम्मत की गई है तो ज्ञात बताते हुए, उस फर्म का नाम देते हुए जिसने सुधार/सरम्मत की है और तारीख की सूचना दें।

- (2) मशीनरी की वर्तमान स्थिति और उसकी संभावित शेष आयु
- (3) निरीक्षण की गई मशीनरी में किसी प्रकार की तकनीकी उत्पत्ति शामिल है। अन्तर्राष्ट्रीय मार्किट में प्रयत्न उपलब्ध मशीनरी की तुलना भी तकनीकी प्रगति को ध्यान में रखते हुए की जाए।
- (4) अन्तर्राष्ट्रीय मार्किट में उसके बराबर की गई मशीनरी का अनुमानित लागत बीमा भाड़ा मूल्य
- (5) संभरक द्वारा मांगे गए मूल्य के औचित्य पर टिप्पणी और ऐसे विचार के लिए आधार।
- (5) आयातित माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोगता (गैर-औद्योगिक उसके द्वारा धारित उन पंजीकरण प्रमाणपत्र की मूल रूप से या फोटोस्टेट प्रति) वर्तमान समय में वैध के रूप में सीमाशुल्क प्राधिकारियों को भेजेगा जो उसकी आयात करने के लिए पात्रता प्रदान करते हुए शाप्ट एवं इन्स्ट्रुक्शंस ऐक्ट, सिनेमेटोग्राफिक ऐक्ट या सम्बन्ध स्थानीय कानून के अन्तर्गत जारी किया गया हो।
- (6) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) प्रायोजक प्राधिकारियों के साथ औद्योगिक एकक के रूप में अपने औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण का व्यौरा देने हुए अर्थात् औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण की संख्या और विनांक और विनिर्माण की अंतिम उत्पाद (बैं) और यह पुष्टि करते हुए कि (1) ऐसे लाइसेंस/पंजीकरण न तो रद्द किए गए हैं या वापस लिए गए हैं या अन्यथा रूप से प्रयत्न में हैं और (2) आयातित माल 'औद्योगिक' एकक के रूप में उनके औद्योगिक लाइसेंस/प्रायोजक प्राधिकारी के पास पंजीकरण की शर्तों के बिना अनुसार है, एक घोषणापत्र संबद्ध सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेगा। उन मामलों में जहां संबद्ध प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा प्रत्यक्ष से लाइसेंस पंजीकरण संख्या नहीं दी गई है, आयातक को सीमाशुल्क प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए इस सम्बन्ध में अन्य कोई प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे कि वह लाइसेंसधारी है औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है और किए गए आयात के लिए भी पात्र है।
- (7) आयात किए गए पंजीकृत माल का विवरण देते हुए लाइसेंसिंग वर्ष के 30 मितम्बर और 31 मार्च को उनके लागत बीमा भाड़ा मूल्य का विवरण देने हुए आयातक मुख्यनियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय में सांख्यिकी निदेशक को आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक, 1985-88 में निर्धारित प्रपत्र में आवधिक विवरण भेजेगा। ऐसा प्रत्येक विवरण निर्दिष्ट अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।
- (8) इस तरह आयात किया जाने वाला माल बंशिन अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका में तैयार प्रयत्न विनिर्मित न किया गया हो।
- (9) यह मान लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को प्रयत्न उमरे पहले बिना कोई अवधि बढ़ाए जाहे जो भी हो, भारत को परेषण के जरिए भेजे गए हों या लाइसेंसिंग वर्ष के फरवरी माह की अंतिम तिथि को या इससे पूर्व विदेशी मुद्रा विनिमय के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गई पक्की सविदा के मद्दे आने वाले लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व लवाम कर दिए गए हों।
- (10) जो उपयुक्त शर्त सं० (9) में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खूने सामान्य लाइसेंस में से भी गई किसी भी भद्र के मामले में सरकार को ऐसे समय सीमा निर्धारित करने का

समर्थक है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खाने गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साक्ष्य द्वारा सर्मर्षित विदेशी मुद्रा व्यापारी (बैंक) के साथ किए गए और पंजीकृत पक्के ठेकों के मद्दे पोतलवान किया जाना चाहिए।

- (11) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1955 की अनुसूची-5 में शर्त-1 के अधीन होगा।
- (12) यदि किसी माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालते हुए कोई अन्य निषेध या विनिमय लागू हो तो इस लाइसेंस का उसकी प्रायोग्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (13) प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपयोगताओं (औद्योगिक)/आयातक का किसी ऐसे आयात/अनुपालन से किसी समय भी उन्मुक्ति, गिरावन या छूट प्रदान नहीं करता जो उसे अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के तहत पूर्ण करते हों। आयातकों को उनके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन करना चाहिए।

टिप्पणी :— इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "प्रयत्न लाइसेंसिंग वर्ष" जहां सभी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है, जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1) में उल्लिखित है।

[मिसिल सं. आई पी सी/3/18/85]

ORDER NO. 69/85—88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 2/87

S.O. 282(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa, South West Africa, Capital Goods of the description specified in Appendix I Part-B of Import and Export Policy, 1985—88 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, subject to the following conditions :

- (i) The importer is an Actual User (Industrial or Non-Industrial) registered with the DGTD, New Delhi or the concerned State Director of Industries or other sponsoring of Government Authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his factory, commercial establishments, institution, professional office or other premises concerned; subject to "Actual User" condition;
- (ii) Import of the machine tools appearing at Sub-entry numbers (134) to (162) under entry No. 1 (i) in Appendix I, Part B of Import and Export Policy for April, 1985—March 1988' (Vol. I) will be subject to the following additional conditions :—
 - (1) the import of these machines in Second-hand condition will not be permitted;
 - (2) NC/CNC versions of these machines will not be permitted.
- (iii) By import of the Capital Goods, in question, the production of the applicant shall not exceed the licensed/authorised capacity;

- (iv) The goods so imported shall be of new manufacture; if they are second-hand or re-conditioned item, their import will be permitted only if the machinery is not more than seven years old and its remaining life is not less than five years, and the importer shall produce to the customs authority at the time of clearance, a certificate from a professional independent Chartered Engineer/any equivalent institute in the country from which import is made, indicating:
- (a) Details of Machinery Inspected :
- (i) Description with technical specifications. Technical pamphlets/photograph of the machinery may also be enclosed.
 - (ii) Name of the manufacturer, with country.
 - (iii) Sl. No./other identification mark of the machine.
 - (iv) Year of manufacture.
 - (v) Year of purchase of the machine by the present seller. Whether the machine was purchased new or used ?
- (b) Nature of Inspection :
- (i) Whether the machinery was inspected in working condition.
 - (ii) Technical details of tests carried out. A copy of the tests report may be enclosed.
 - (iii) National/International Standards followed for the inspection.
- (c) Comments/Assessment of the Chartered Engineer :
- (i) Information on major reconditioning/repairs, if any, carried out giving cost, name of the firm which carried out reconditioning/repairs and the date.
 - (ii) Present condition of the machinery and its expected residual life.
 - (iii) What generation of technology is involved in the machinery inspected ? A comparison with latest machinery available in the international market, highlighting the technological gaps may also be made.
 - (iv) Estimated c.i.f. value of equivalent new machinery in the international market.
 - (v) Comments on reasonableness of price asked for by the suppliers and the basis for such opinion.
 - (v) Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the imported goods, furnish the customs authorities the original or a photostate copy of the currently valid Registration Certificate held by them under the Shops and Establishment Act, Cinematographic Act or concerned local statute, entitling them to effect the import;
- (vi) Actual User (Industrial) shall produce to the Customs authorities concerned at the time of clearance, a declaration giving particulars of his Industrial Licence/registration, as an industrial unit with the concerned authorities, namely, the Number and Date of the Industrial Licence/Registration and the endproduct(s) of manufacture, and affirming that (i) such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made in-operative and (ii) the items imported are strictly in accordance with the terms and conditions of their Industrial Licence/Registration with the sponsoring authority as an industrial unit. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/registered as industrial unit and is eligible to the import made;
- (vii) The importer shall furnish periodical returns in the proforma prescribed in the Hand Book of Import-Export Procedures, 1985—88 to the Director of Statistics, Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, giving the description of the Capital Goods imported and their c.i.f. value as on 30th September and 31st March of the licensing year. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period indicated ;
- (viii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;
- (ix) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year or shipped on or before the 31st March of the following licensing year against a firm contract entered into and register with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the last date of February of the licensing year without any grace period whatsoever;
- (x) Notwithstanding what has been provided in condition No. (ix) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) before the date of issue of the Public Notice.
- (xi) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;
- (xii) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported ;

- (xiii) The Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from any obligation or compliance with any requirement to which the Actual User (Industrial or Non-Industrial) may be subject, under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

NOTE : —For the purposes of this Order, references to “the licensing year” and “the following licensing year”, wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

[File No. IPC/3/18/85]

प्रदेश सं. 70/85—88

सुला सामान्य लाइसेंस सं. 3/87

का.पा. 283(प्र) :—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दक्षिण अफ्रीका/वर्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके समय-समय पर यथा संशोधित 1985-88 की आयात-निर्यात नीति (खण्ड-1) के परिशिष्ट 2, 3 भाग-क, 8 या 10 में प्रदर्शित मर्चों से भिन्न मर्चात् फालतु पुर्जों के रूप में अपेक्षित सभी अनुमेष पुर्जों जो वास्तविक उपयोगताओं द्वारा अपने निजी उपयोग के लिए उप-साधनों, अनुबंधी उपस्कर, निर्माण और प्रयोगशाला उपस्कर और सुरक्षा उपकरणों सहित, लाइसेंसिंग वर्ष के अप्रैल माह की पहली तिथि को स्थापित या उपयोग किए जा रहे पूंजीगत माल के अनुपूरण के लिए अपेक्षित हों, उनके आयात के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को यथा उपयुक्त अपने औद्योगिक लाइसेंसों/पंजीकरण प्रमाण-पत्रों अर्थात् औद्योगिक लाइसेंस/औद्योगिक एकक के रूप में संबद्ध प्राधिकारी के पास पंजीकरण की सं. तथा दिनांक और विनिर्मित अंतिम उत्पाद का विवरण देते हुए एक ऐसा घोषणा पत्र देंगे जिससे हम बात की पुष्टि होगी कि ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण रद्द नहीं किया गया है अथवा आपिस नहीं लिया गया है अथवा उसका अन्यथा रूप से उपयोग नहीं किया गया है। जिन मामलों में संबधित प्राथमिक प्राधिकारियों द्वारा पुष्क पंजीकरण नियम नहीं किया गया है, आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए अन्य कोई प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा कि वह लाइसेंस-धारी/औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है और किए गए आयात के लिए पात्र है।
- (2) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोगता (गैर औद्योगिक) बुकान और स्थापना अधिनियम, मिनेनेटोग्राफिक अधिनियम अथवा उपयुक्त स्थानीय अधिनियम के अन्तर्गत उनके द्वारा प्राप्त पंजीकरण प्रमाणपत्र की मूल धनश फोटोस्टेट (वर्तमान समय में वैध) प्रति जो उनको आयात के लिए प्रयुक्त करती हो, सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेंगे।

- (3) संगणक प्रणाली के मामले में, अनुमेष फालतु पुर्जों के आयात की अनुमति प्राप्ति संयुक्त के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के 5 प्रतिशत पर या देना विनिर्मित संगणक प्रणाली खरीद मूल्य के 2 प्रतिशत अथवा संगणक या कि कोई बताने वाली मशीनों का एक अतिरिक्त अंग है, के 5 प्रतिशत पर हो जायेगा। आयातित माल की निकासी के समय जैसा

भी मामला हो, आयातक को सीमा शुल्क प्राधिकारी को सनदी लेखापाल/लागत लेखापाल या कम्पनी सचिव (व्यवसायी) या संबंधित प्रायोजित प्राधिकारी को लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य या संगणक प्रणाली के खरीद मूल्य को प्रदर्शित करते हुए एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना चाहिए। उन्हें हम संबंध में एक घोषणापत्र भी देना चाहिए कि जिस परेषण की निकासी की जाना है उनके लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य सहित उसी अवधि में इस प्रकार से पहले ही आयात किए गए माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य अनुमेष सीमा से ज्यादा नहीं हों। सनदी/लागत लेखापाल या कम्पनी सचिव को आवेदक फर्म या उसकी सहायक शाखाओं का भागीदार या संचालक या कर्मचारी नहीं होना चाहिए।

(4) वे लघु क्षेत्र के एकक जिनके पास संबद्ध प्रायोजित प्राधिकारियों के अंतिम पंजीकरण है, वास्तविक उपयोगताओं की ऊपर विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन इस लाइसेंस के अन्तर्गत माल आयात करने के पात्र होंगे।

(5) वास्तविक उपयोगता इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित माल के उपयोग का निर्धारित रूप और विधि से उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखों को लाइसेंस प्राधिकारी या अन्य सरकारी प्राधिकारी को उनके द्वारा विशिष्टकृत समय के भीतर प्रस्तुत करेगा।

(6) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त-1 के भी अधीन होगा।

(7) वास्तविक उपयोगता लाइसेंसिंग वर्ष के 30 सितम्बर और 31 मार्च को नीचे लिखे गए प्राधिकारियों को एक आवधिक विवरण प्रस्तुत करेगा जिसमें (क) आयातित मर्चों के मूल लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य और (ख) ऐसी आयातित मर्चों के व्योरे जिनका कुल लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य 2 लाख रुपए से अधिक हो, को दर्शाया जाएगा :—

- (1) बृहत क्षेत्र के औद्योगिक एककों के मामले में संबद्ध प्रायोजक प्राधिकारी, और
- (2) अन्य वास्तविक उपयोगताओं के मामले में संबद्ध क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी प्रत्येक ऐसा विवरण उपर्युक्त संकेतित अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।
- (8) इस तरह आयात किया जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका संघ/वर्षिण पश्चिमी अफ्रीका में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (9) ये माल लाइसेंसिंग वर्ष के 31 मार्च को अथवा उससे पहले बिना कोई अवधि बढ़ाए, जो भी हो, भारत को परेषण के जरिए भेजे जाते हैं या लाइसेंसिंग वर्ष के फरवरी माह की अंतिम तिथि को या इससे पूर्व विदेशी मुद्रा के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गई पक्की संविदा के मद्दे धाने वाले लाइसेंसिंग वर्ष को या इससे पूर्व सदान कर दिए जाते हैं।

(10) उपर्युक्त शर्त सं. 9 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मर्च के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जानने करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय माख-पत्र द्वारा समर्थित पक्के आवेदनों के मुद्दे नोन सदान किया जाना चाहिए।

(11) यदि किसी माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालते हुए कोई अन्य निषेध या विनियम लागू हो तो इस लाइसेंस का उसकी प्रयोज्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(12) प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपयोगताओं (औद्योगिक) गैर-औद्योगिक/आयातक को किसी ऐसे आभाव/अनुपालन से किसी समय भी उन्मुक्त रखावत या छूट प्रदान नहीं करता जो उसे अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के तहत पूर्ण करने हों। आयातकों को उनके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के प्रावधान का अनुपालन करना चाहिए।

टिप्पणी :—इस आदेश के प्रयोजनार्थ "साइसेसिंग वर्ष और ब्रॉका साइसेसिंग वर्ष" जहाँ भी संदर्भ में आता है उसका बहो ग्रदे है जो 1985—88 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1) में उल्लिखित है।

[मिसिल सं. आई पी सी/3/18/85]

ORDER NO. 70/85—88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 3/87.

S.O. 283(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa, South West Africa, "permissible" spares, i.e. all these parts required as spares, other than the items appearing in Appendices 2, 3 Part-A, 8 or 10, in the Import and Export Policy, 1985—88 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, as are required for their own use for maintenance of Capital Goods, including accessories, ancillary equipment, control and laboratory equipment and safety appliances, installed or in use as 1st April of the licensing year, by Actual Users (Industrial or Non-Industrial), subject to the following conditions :—

(i) Actual Users (Industrial) will furnish to the customs authorities, at the time of clearance a declaration giving particulars of their industrial licence registration certificates, as appropriate, namely, Number and Date of Industrial Licence Registration with concerned authority as industrial unit and end-product(s) manufactured, and solemnly affirming that such licence registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made in-operative. In cases where a separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed registered as an industrial unit and is eligible to the import made.

(ii) Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the goods, furnish to the customs authorities, the original or a photostat copy of the (currently valid) registration certificates held by them under the Shop and Establishment Act, Cinematographic Act or appropriate local statute, entitling them to effect the imports.

(iii) In the case of computer systems, import of permissible spare parts will be allowed at 5 percent of the c.i.f. value of imported computers or two percent per annum of the purchase price of the indigenously manufactured computer systems or five percent of computer which are integral part of the photo composing machines. At the time of clearance of the imported goods, the importers should furnish to the customs authorities, a certificate from Chartered Cost Accountant or Company Secretary (in practices) or the sponsoring authority concerned showing the c.i.f. value or the purchase price of the computer system, as the case may be. They should also furnish a declaration to the effect that the c.i.f. value of such goods already imported during the same financial year does not exceed the permissible

limit, including the c.i.f. value of the consignment to be cleared. The Chartered Cost Accountant or Company Secretary should not be a partner or a Director or an employee of the applicant firm or its associates.

(iv) Small Scale Units having provisional registration with the sponsoring authorities concerned will be eligible to import goods under this licence, subject to Actual User condition.

(v) The Actual User shall maintain proper account of utilisation of the goods imported under this licence in the firm and manner laid down and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.

(vi) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.

(vii) The Actual Users shall furnish periodical returns as on 30th September and 31st March of the licensing year to the authorities mentioned below, indicating (a) the total c.i.f. value of the items imported and (b) description of such of the items imported of which the total c.i.f. value exceeds Rs. 2 lakhs :—

(i) Sponsoring authorities concerned in the case of industrial units in the large scale sector; and

(ii) Regional import licensing authorities concerned, in the case of other Actual Users. Each such Return shall be sent within 15 days of the close of the period indicated.

(viii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa.

(ix) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year or shipped on or before 31st March of the following licensing year against a firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the last date of February of the licensing year, without any grace period whatsoever.

(x) Notwithstanding what has been provided in condition No. (ix) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice.

(xi) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

(xii) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial or Non-Industrial) may

be subject under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

NOTE.—For the purposes of this Order, references to “the licensing year” and “the following licensing year”, wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import & Export Policy (Volume I) for 1985—88.

[File No. IPC/3/18/85]

आदेश सं. 71/85-88

मूल्य सामान्य लाइसेंस सं. 4/87

का.आ. 284(अ) :—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए केंद्रीय सरकार दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से मरुतारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना द्वारा व्यापकशोधित नीचे विशिष्टकृत माल का आयात करने के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करती है :—

1. विदेश में मरुतारी के पश्चात् लागत-बीमा-भाड़ा के आधार पर निम्नलिखित अधिमा भुगतान (लागत-बीमा-भाड़ा) पर जो कि आयातित मशीनरी (इलेक्ट्रॉनिक और कंप्यूटर उप-भूतियों के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य का 30 प्रतिशत) के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य का 10 प्रतिशत से अधिक न हो अथवा एक लाख रुपये, इनमें से जो भी कम हो, मर्चों का (टिकाऊ उपभोग्य को छोड़कर) पुनः आयात किया जा सकता है बशर्ते कि सीमा शुल्क प्राधिकारी इस बात से भत्तुष्ट हो कि पुनः आयातित मर्च वही है जिसको विदेश में मरुतारी के लिए भेजा गया था।

2. 2,000 रुपये मूल्य तक के व्यापार संबंधी सूची पत्रों और परिपत्रों के मुफ्त उपहार।

3. मशीनरी और संयंत्र स्थानों, कार्य और निर्माण, अनुसंधान आंकड़ों से संबंधित वे खाके और ड्राइंग (माइक्रो फिल्म सहित) जो मुफ्त में संभरित किए जाते हैं और जिनका कोई भी वाणिज्यिक मूल्य नहीं है।

4. एक प्रेषण में अधिकतम 20,000 रुपये के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य तक के मुफ्त में संभरित किए जाने वाले मूल तकनीकी और व्यापार संबंधी नमूने जिनमें वनस्पति बीज, मछुं संकियां, श्या और नये भेषज शामिल नहीं हैं।

5. मुफ्त में संभरित की जाने वाली मूल विज्ञापन संबंधी वह सामग्री जो एक ही परेषण में 2,000 रुपये के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य से अधिक न हो।

6. विदेशी संभरकों द्वारा मुफ्त में संभरित माल या ऐसा माल जो पहले आयात किया गया हो परन्तु जो उपयोग के लिए नष्ट/हूट/या अनुप-युक्त पाया गया हो या आयात के बाद खो गया हो/हूट-फूट गया हो, उसके बदले में किसी बीमा कंपनी द्वारा लय किए गए बीमा (समुद्रीय) या समुद्री व विनिर्माता के दावे के मद्दे आयातित माल बशर्ते कि :—

(क) प्रतिस्थापन खाते माल का पोत लदान पड़ने आयात किए गए माल के सीमा-शुल्क के माध्यम से निकासी की तिथि से 24 महीनों के भीतर किया गया हो या मशीनों अथवा उनके पुर्जों के मामले में यदि ऐसी अवधि 24 महीनों के अधिक हो तो पोत लदान गारंटी अवधि के भीतर किया गया हो,

(ख) जिस मामले में विदेशी संभरक द्वारा माल का प्रतिस्थापन इस शर्त पर किया गया हो कि आयातक प्रतिस्थापन के लिए

बीमा और/या भाड़े का भुगतान करेगा और घन परेषित करते समय इस संबंध में दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किया गया हो तो ऐसे मामले के अतिरिक्त किसी भी प्रकार के धन-परेषण की अनुमति नहीं दी जाएगी;

(ग) प्रतिस्थापन माल की निकासी के समय निम्नलिखित दस्तावेज सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे :—

(1) मुफ्त में प्रतिस्थापन के मामले में विदेशी संभरक के साक्ष्य के रूप में यह प्रदर्शित करते हुए मूल पत्र कि माल मुफ्त संभरित किया जा रहा है,

(2) लाइसेंस एजेंट से या किसी अन्य प्राधिकृत बीमा सर्वेक्षक से सर्वेक्षण प्रमाण पत्र या मशीन या उसके पुर्जों के मामले में व्यवसायी स्वायत्तम्बी, सनवी इंजी-नियर (या सरकारी विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के स्थानों के मामले में मुख्य कार्य प्रभारी) से इस संबंध में प्रमाण पत्र कि पहले आयात किया गया माल वास्तव में नुतिपूर्ण दशा में प्राप्त किया गया था और उसके प्रतिस्थापन की आवश्यकता थी,

(3) जिस मामले के उपर्युक्त उप खण्ड (क) में निर्धारित 24 महीनों की अवधि के बाद पोत लदान किया गया हो तो उस मामले में मशीनों या उनके पुर्जों के लिए विदेशी संभरक या माल परेषक द्वारा गारंटी की अवधि प्रदर्शित करते हुए साक्ष्य,

(4) नए सिरे से घन परेषण वाले प्रतिस्थापन आयात के मामले में बीमा कंपनी द्वारा मंगे गए भुगतान का साक्ष्य। लेकिन, यह सरकारी विभागों के मामले में आवश्यक नहीं होगा बशर्ते कि प्रेषित घन को प्राप्त करने के लिए विदेशी मुद्रा वित्त मंत्रालय (प्राधिकार्य विभाग)/प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा रिहा की गई हो। प्रतिस्थापन आयात की अनुमति बीमा कंपनी द्वारा निर्णीत माल के मूल्य तक दी जाएगी, परन्तु इस घनराशि में 2 प्रतिशत तक की वृद्धि की अनुमति प्रतिस्थापन के रूप में आयात की जाने वाली मशीनरी के मूल्य में वृद्धि के कारण दी जा सकती है।

7. भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली के पूर्व लिखित अनुमोदन के साथ और उनके द्वारा निर्धारित किसी शर्त के अधीन रोग विषयक परीक्षणों के लिए मुफ्त में संभरित भेषज और औषधियां/औषधि नियंत्रक का अनुमोदन माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

8. विदेशी संभरकों द्वारा भारत में थोक एजेंटों को मुफ्त में संभरित भेषजों और औषधियों के मूल व्यापार नमूने जो एक परेषण में लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य में 10 हजार रुपये से अधिक न हो और भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली के लिखित सिफारिश के साथ जो माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

9. भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली की लिखित सिफारिश, जो माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाएगी, के आधार पर मुफ्त में या भुगतान पर संभरित मानव टीके और सेरा।

10. पशुपालन आयुक्त, भारत सरकार, नई दिल्ली की सिफारिश पर मुफ्त अथवा भुगतान पर भेजे गए पशु टीके जिसमें सुर्गो पालन-टीके भी शामिल हैं, के लिए लिखित अनुमति निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जानी है।

11. कीटनाशी अधिनियम, 1968 के अंतर्गत गठित पंजीकरण समिति द्वारा जारी किए गए पंजीकरण प्रमाण-पत्र के आधार पर मुफ्त संभरित किए गए कीटनाशी (महामारी-नाशी और वात-पतननाशी सहित) के तकनीकी और व्यापार नमूने और उपर्युक्त अधिनियम की अनुसूची में शामिल की गई मदों के संबंध में निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किए जाने हैं।

12. उपर्युक्त क्रम सं. (9) से (11) में वर्णित गई मदों के संबंध में, जहां पर मर्च मुफ्त में भेजी गयी हो, अनुपेय साल के आयात की अनुमति उपभोक्ता या खुदरा विक्रेता में नहीं होगी और प्रेषित माल पर साफ-साफ भ्रष्टों में नमूने बिभी के लिए नहीं; भंडित होगा।

13. इस लाइसेंस के अंतर्गत आयातित व्यापार सूची-पत्र एवं परिपत्र, खाके एवं ड्राइंग और तकनीकी अथवा व्यापार नमूने आयातक के निजी उपयोग के लिए हैं और उनको बेचा नहीं जाएगा अथवा अन्यथा रूप से हस्ताक्षरित नहीं किया जाएगा।

14. यदि किसी माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालते हुए कोई अन्य निषेध या विनियम लागू हो तो उस लाइसेंस का उसकी प्रयोज्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

15. प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपभोक्ताओं (औद्योगिक) आयातक को किसी ऐसे आभार/अनुपालन से किसी समय भी उन्मुक्त, रियायत या छूट प्रदान नहीं करता जो उसे अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के तहत पूर्ण करने हों। आयातकों को उनके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन करना चाहिए।

16. यह लाइसेंस खुले सामान्य लाइसेंस सं. 4/86 का अतिक्रमण करता है जो कि आयात व्यापार नियंत्रण आदेश संख्या दिनांक 1 अप्रैल, 1984 के अंतर्गत प्रकाशित किया गया था।

टिप्पणी:—इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अगला लाइसेंसिंग वर्ष" जहां भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1) में उल्लिखित है।

[मि.सं. आई पी सी/3/18/85]

ORDER NO. 71/85-88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 4/87

S.O. 284(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government gives general permission for importation of the goods specified below, as amended from time to time by issue of Public Notice in the Official Gazette, from any country in the world, except the Union of South Africa/South West Africa :—

- (1) Re-import of items (excluding consumer durables) after repairs abroad free of charge on c.i.f. basis or on payment (c.i.f.) not exceeding 10 percent of the c.i.f. value of the imported machinery (30 percent of the c.i.f. value of the imported parts or sub-assemblies in the case of electronic and computer sub-assemblies) or Rs. 1 lakh, whichever is lower, subject to the satisfaction of the Customs' authority that the item reimported is the same which was sent abroad for repairs.

- (2) Free gift of trade catalogues and circulars upto a value of Rs. 2,000;

- (3) Blue prints and drawings (including micro films) relating to machinery and plant sites, work and building research data, supplied free of charge and having no commercial value;

- (4) Bonafide technical and trade samples supplied free of charge not exceeding Rs. 20,000 in c.i.f. value, in one consignment, excepting gageable seeds, bees, tea and new drugs.

- (5) Bonafide advertising material supplied free of charge not exceeding Rs. 2,000 in c.i.f. value, in one consignment;

- (6) Goods supplied free of charge by foreign suppliers or imported against an insurance (marine) or marine-cum-erection insurance claim settled by an Insurance Company, in replacement of the goods previously imported but found defective or otherwise unfit/unsuitable for use or lost/damaged after import, provided that :—

- (a) the shipment of replacement goods is made within 24 months from the date of clearance of the previously imported goods through the customs or within the guarantee period in the case of machines or parts thereof, where such period is more than 24 months;

- (b) No remittance shall be allowed, except for payment of insurance and freight charges where the replacement of goods by the foreign suppliers is subject to the payment of insurance and/or freight by the importer and documentary evidence to this effect is produced at the time of making the remittance;

- (c) the following documents shall be produced to the satisfaction of the customs authorities, at the time of clearance of the replacement goods :—

- (i) original letter from the foreign supplier as evidence of goods being supplied free of cost, in the case of free replacements;

- (ii) a survey certificate issued by the Lloyds Agents or any other authorised insurance surveyors or in the case of machine or parts thereof, a certificate from a professional independent chartered engineer, (or Chief Executive in the case of Government Departments and Public Sector Undertakings) to the effect that goods previously imported were actually received in defective condition and required replacement;

- (iii) evidence showing the period of guarantee given by the foreign manufacturers of consignments in the case of

machines or parts thereof, where shipment takes place after the period of 24 months stipulated in sub-clause (a) above;

- (iv) evidence of settlement of claim by the insurance company, in the case of replacement import involving fresh remittances. This will, however, not be necessary in the case of Government departments, provided foreign exchange has been released by the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) Administrative Ministry to cover the amount to be remitted. Replacement imports will be allowed upto the value of the claim settled by the insurance company but an increase upto ten per cent of this amount may be allowed owing to the increase in the value of the machinery to be imported in replacement.
- (7) Drugs and medicines supplied free of charge for clinical trials with the prior written approval of the Drugs Controller of India, New Delhi and subject to any conditions laid down by him. The approval of the Drugs Controller shall be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.
- (8) Bona fide trade samples of drugs and medicines supplied free of charge to the sole agents in India of the foreign supplies, not exceeding Rs. 10,000 in c.i.f. value in one consignment on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.
- (9) Human vaccines and sera supplied free of charge or against payment, on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of customs authorities at the time of clearance;
- (10) Animal including poultry vaccines, supplied free of charge or against payment, on the specific recommendation of the Animal Husbandary Commissioner to the Government of India, New Delhi, to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;
- (11) Technical and trade samples of the insecticides (including pesticides and weedicides), supplied free of charge, on the basis of the registration issued by the Registration Committee set up under the Insecticides Act, 1968, and the quantity specified by the Committee in respect of items included in the Schedule to the said Act, to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;
- (12) In respect of items covered by Sl. Nos. (9) to (11) above, where the items are supplied

free of charge, import of the permissible material shall not be allowed in consumer or retail packing and the consignment shall be clearly marked "sample not for sale."

- (13) Trade catalogues and circulars, blue prints and drawings, and technical or trade samples imported under this licence are for the use of the importers themselves and shall not be sold or transferred otherwise;
- (14) This licence is without prejudice to the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import that may be in force at the time when such goods are imported;
- (15) The licence does not confer any immunity exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.
- (16) This licence is in supersession of Open General Licence No. 4/86 published vide Import Trade Control Order No. 38/85-88 dated the 1st April, 1986.

NOTES.—For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

[File No. IPC/3/18/85]

प्रारम्भ सं. 72/85—88

सुखा सामान्य लाइसेंस सं. 5/87

का. प्रा. 285(प्र).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन किसी भी अनुसंधान एवं विकास यूनिट वैज्ञानिक और अनुसंधान प्रयोगशाला, उच्च शिक्षा संस्थान एवं चिकित्सालय को केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत है जो उनके द्वारा प्रेषित कच्चे माल, संघटकों, उपभोगों, मशीनरी, उपकरण, यंत्रों, उप-साधकों और फालतू पूर्णों की सर्वों का दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से भारत में आयात के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करती है :—

- (1) आयात निष्कासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार को भी हो, द्वारा अपनी मान्यता का विवरण देते हुए और यह घोषणा करते हुए कि आयातित मर्च, उनके निजी उपयोग के लिए प्रेषित है, एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा। अनुसंधान और विकास एककों के मामले में, वह यह भी घोषणा करेगा कि आयातित माल अनुसंधान और विकास के लिए आवश्यक है।
- (2) उपभोग्य माल की मदें बाहे उनका विवरण किसी भी प्रकार से किया गया हो, इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात के लिए अनुमेष नहीं होगा। इस लाइसेंस के अन्तर्गत कार्यालय मशीनों का आयात भी अनुमेष नहीं होगा।
- (3) कम्प्यूटर/कम्प्यूटर सब-सिस्टम/कम्प्यूटर पेरिफेरल्स का आयात भी इलेक्ट्रॉनिकी विभाग से पूर्व स्वीकृति प्राप्त करने के पश्चात् सुखे सामान्य लाइसेंस के अधीन किया जा सकता है।

- (4) इस प्रकार आयातित माल का उत्पादन अथवा विनिर्माण दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में न किया गया हो।
- (5) अनुसंधान एवं विकास के प्रयोजनार्थ किसी भी प्रकार के जीवित एवं तनकारी माइक्रो आर्गेनिज्म के आयात के मामले में, सीमाशुल्क निकासों के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को संतुष्टि के लिए भारत सरकार, कृषि विभाग के पशुपालन आयुक्त की पूर्व अनुमति प्रस्तुत करनी चाहिए।
- (6) आयातक पत्तन से माल की निकासी के 30 दिनों के भीतर नीचे संकेतिक प्राधिकारी को प्रत्येक एक लाख रुपये अथवा इससे अधिक मूल्य के लिए उसके द्वारा आयातित माल का विवरण प्रस्तुत करेगा :—
- (1) अनुसंधान एवं विकास एककों और वैज्ञानिक तथा अनुसंधान प्रयोगशालाओं के मामले में विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विभाग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात को भी इसकी सूचना दी जाए।
 - (2) हर्लैट्रानिक मशीनों के संबंध में, हर्लैट्रानिक विभाग, नई दिल्ली को।
 - (3) तकनीकी विकास महाविद्यालय, नई दिल्ली को उन मामलों में जिनमें एकक उनके पास पंजीकृत किया गया हो।
 - (4) चिकित्सालय और उच्च शिक्षा संस्थान जो भी हों, के मामले में, केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार के संबंध प्रशासकीय संज्ञासूचक को।
- (7) यह लाइसेंस आयात (निर्यात) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 में शर्त 1 के भी अधीन होगा।
- (8) ऐसा माल बिना किसी रियायती सुविधि के, चाहे वह अवधि कुछ भी हो लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या उससे पहले भारत को खदान कर दिया गया हो अथवा लाइसेंसिंग वर्ष की फरवरी की अंतिम तिथि को या उससे पहले की गई और विदेशी मुद्रा के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत पक्की संविदा के मद्दे/मशीनरी/उपकरण/फालतू गुजों के मामले में अंग्रेजी लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को अथवा इससे पहले भारत को परेषण के माध्यम से खदान कर दिया गया हो।
- (9) उपर्युक्त शर्त सं. 8 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारों राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खोले सामान्य लाइसेंस में सेना गई किसी भी मस के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पाठ आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साखपत्र द्वारा समर्पित पक्के आदेशों के मद्दे पोतलदान किया जाना चाहिए।
- (10) यदि माल के आयात के समय उसे आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (11) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आयात या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्त, रियायत या छीम प्रदान नहीं करता है जिस आयात या शर्त के लिए आस्तनिक उपयोगिता (प्रौद्योगिक) या आयात अथवा कानूनों या

विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी. इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष और अंग्रेजी लाइसेंसिंग वर्ष" का जहां भी संदर्भ में आता है उसका यह अर्थ है जो 1955-58 को आयात एवं निर्यात नीति (खंड-1) में उल्लिखित है।

[फाइल सं. आई पी सी 3/18/85]

ORDER NO. 72/85—88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 5/87

S.O. 285(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa| South West Africa, items of raw materials, components, consumables, machinery equipment, instruments, accessories, tools and spares, required by any research and development unit, scientific or research laboratory, institution of higher education and hospitals, recognised by the Central or State Governments, subject to the following conditions :—

(1) The importer shall produce to the customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of its recognition by Central or State Government, as the case may be, and declaring that the items imported are required for its own use. In the case of R&D units, they shall also declare that the imported items are required for R&D purposes.

(2) Items of consumer goods, howsoever described, shall not be permitted for import under this Licence. Import of office machines will also not be allowed under this Licence.

(3) Import of computer|computer sub-system|computer peripherals can also be made under O.G.L. after obtaining prior clearance of the Department of Electronics.

(4) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa| South West Africa.

(5) In the case of import of live and attenuated micro organism in any form R&D purposes, prior permission from the Animal Husbandry Commissioner to the Government of India in the Department of Agriculture shall be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.

(6) The importers shall furnish to the authorities mentioned below within 30 days of the clearance of goods from Customs, the particulars of the goods so imported by them, for a value each of Rs. 1 lakh or more :—

(i) Department of Science & Technology, New Delhi in the case of R&D units and Scientific and Research Laboratories, under intimation to the CCI&E, New Delhi.

- (ii) Department of Electronics, New Delhi, in respect of electronic items.
- (iii) DGTD, New Delhi, in the case of units registered with them.
- (iv) Administrative Ministry of the Central or State Government concerned, as the case may be, in the case of hospitals and institutions of higher education.

(7) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.

(8) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year or, in the case of machinery/equipment/spares shipped on or before 31st March of the following licensing year against firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before last date of February of the licensing year, without any grace period whatsoever.

(9) Notwithstanding what has been provided in condition number (8) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice.

(10) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

(11) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the import may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note : For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appear in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Vol. I) for 1985—88.

[File No. IPC/3/18/85]

आदेश सं. 73/85-88

सूचना सामान्य लाइसेंस सं. 6/87

का. शा. 286(घ).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केंद्रीय सरकार एवम् द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना के द्वारा यथा-संशोधित आयात एवं निर्यात नीति 1985—88 (खंड 1) के परिशिष्ट-1 में विहित वस्तुओं के मामले उम्निविष्ट मनोनीत सार्वजनिक क्षेत्र (खण्ड 5) अधिकारियों द्वारा उक्त परिशिष्ट में विनिर्दिष्ट सामान का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है।

- (1) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के सहित किए जाएंगे।

(2) अध्यापित माल का वितरण सड़क सार्वजनिक परिवहन द्वारा निर्धारित नीति और किया विधि के अनुसार किया जाएगा।

(3) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।

(4) भारत को ऐसे माल का लदान बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो अगले लाइसेंसिंग वर्ष की 30 सितम्बर की या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिए जाते हैं। अर्थात् कि लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च की या इससे पहले उनके आवेदन कर दिए गए हैं।

(5) उपर्युक्त शर्तें सं. 4 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी सोव-हित में सरकारों राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी माल के मामले में सरकार को ऐसी समय-समय निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले प्राप्त आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिचालित राजपत्र द्वारा समर्पित वस्तुओं के माल पोतलदान किया जाना चाहिए।

(6) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-3 शर्त-1 के अंतर्गत होगा।

(7) इस प्रकार के माल का आयात करने समय लागू कोई भी निषेध या उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

(8) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आयात या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मूलित, रियायत या अन्य प्रदान नहीं करता है जिस आयात या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) या आयातक अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी :—इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अगला लाइसेंसिंग वर्ष" जहाँ भी उल्लेख में आता है, उसका वही अर्थ है जो 1985—88 की आयात एवं निर्यात नीति (खंड-1) में उल्लिखित है।

[का. सं. आई.पी.सी./3/19/85]

ORDER NO. 73/85—88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 6/87

S.O. 286(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa, South West Africa, the goods of the description specified in Appendix 5 of Import and Export Policy, 1985—88 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, by designated Public Sector (Canalising) Agencies mentioned against the relevant items in the said Appendix, subject to the following conditions :—

(1) The imports shall be made against the foreign exchange released by Government for the purpose.

(2) Imported goods shall be distributed by the Canalising agency concerned in accordance with the Policy and Procedure laid down;

(3) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa or South West Africa;

(4) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 30th September of the following licensing year, without any grace period whatsoever, provided firm order is placed on or before 31st March, of the licensing year;

(5) Notwithstanding what has been provided in condition number (4) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice.

(6) This Licence shall also be subject to condition number 1, in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.

(7) Nothing in this licence shall affect the application to any goods of any other prohibition or regulation, affecting the imports thereof in force, at the time when such goods are imported;

(8) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note : For the purposes of this Order, references to "the licensing year" and "the following licensing year", wherever appear in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

[File No. IPC/3/18/85/

आवेदन सं. 74/85-88

जुना सामान्य लाइसेंस सं. 7/87

का. आ. 287(अ) :-आयात निर्यात (निर्यंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा जिनो, जुड़मारों मोल्ड्स, डाइज एवं पैटर्न (रंगीन रोसर डाईज महिन), मोल्ड्स (डाया क्रामिक के लिए मोल्ड्स महिन) और प्रैस महिन (और प्रैस औजारों) सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई मासिक सूचना द्वारा यथासंशोधित [1985-88 की आयात-निर्यात नीति (खंड-1) के परिशिष्ट-1, भाग-क, 2 और 3 भाग क में प्रदर्शित से निम्न] और उनके पुर्जों के भारत में आयात की सामान्य अनुमति दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन देती है :-

- (1) आयातक अपने निजी संस्थान में उपयोग के लिए ऐसी सर्वो की आवश्यकता रखने हुए महाविदेशक, तकनीकी विकास, नई विन्नी या संबद्ध राज्य के उद्योग निवेशक या अन्य संबद्ध प्रायोजक प्राधिकारी, जो भी हो, के साथ पंजीकृत एक वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) हो,

- (2) इस प्रकार आयात किया गया माल एवं निर्माण का होगा। यदि वे पुरानी या सरम्मत की गई मर्चे होंगी तो उनके आयात की अनुमति केवल तब दी जाएगी जबकि मशीनरी केवल 7 वर्ष से अधिक पुरानी न हो और शेष जीवन 5 वर्ष से कम न हो और आयातक निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारी को उस देश के स्वतंत्र व्यावसायिक सनदी अनुमति/इसके समतुल्य संस्थान से एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा जहाँ से आयात किया जाता है और उसमें निम्नलिखित को दर्शाया जाएगा :-

1. निरीक्षण की गई मशीनरी का ब्यौरा :-

- (1) तकनीकी विशिष्टकरण के साथ विवरण।
मशीनरी के तकनीकी पैमपलेट्स/फोटोग्राफ के साथ लगाए जाए।
- (2) देश के साथ विनिर्माता का नाम।
- (3) क्रम सं./मशीन का अन्य पहचान निशान (मार्क)
- (4) विनिर्माण की तारीख
- (5) वर्तमान विक्रेता द्वारा मशीन खरीदने का वर्ष। क्या मशीन नई या पुरानी खरीदी गई थी ?

2. निरीक्षण का स्वरूप

- (1) क्या मशीन का निरीक्षण बालू स्थिति में किया गया था।
- (2) किए गए परीक्षणों के तकनीकी ब्यौरे/परीक्षण रिपोर्ट की प्रति भी साथ लगाई जाए।
- (3) निरीक्षण के लिए पालन किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मानक।

3. सनदी इंजीनियर की टिप्पणी/निर्धारण।

- (1) यदि कोई मुख्य सुधार/सरम्मत की गई तो लागत बताते हुए, उस काम का नाम देते हुए जिसने सुधार/सरम्मत की है और तारीख की सूचना दें।
- (2) मशीनरी की वर्तमान स्थिति और उसकी संभावित शेष आयु
- (3) निरीक्षण की गई मशीनरी में किस प्रकार की तकनीकी उत्पत्ति शामिल है ?
अंतर्राष्ट्रीय मार्किट में अध्ययन उपलब्ध मशीनरी की तुलना भी तकनीकी अन्तर को ध्यान में रखते हुए की जाए।
- (4) अंतर्राष्ट्रीय मार्किट में उसके बराबर की नई मशीनरी का अनुमानित लागत कीमा भाड़ा मूल्य।
- (5) संभर्ग द्वारा माने गये मूल्य के औचित्य पर टिप्पणी और ऐसे विचार के लिए आधार।

- (3) औद्योगिक लाइसेंस पंजीकरण अर्थात् औद्योगिक एकक के रूप में वास्तविक उपयोगता को जारी किए गए औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण संश्लेषण गणना दिनांक और विनिर्माता अंतिम उत्पाद के ब्यौरे देते हुए संबंधित वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) माल की निकासी के समय संबंधित सीमाशुल्क प्राधिकारियों को एक प्रमाणपत्र यह शपथ लेते हुए प्रस्तुत करेगा कि ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण न तो रद्द किया गया है, न वापस लिया गया है और न अन्य प्रकार से अप्रभावी किया गया है, जिन मामलों में संबंधित प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा अन्य पंजीकरण संख्या आवंटित न की गई हो। उनमें आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारियों की गंतुष्टि के लिए अन्य उचित साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।

- (4) लाइसेंसिंग वर्ष की 30 सितम्बर और 31 मार्च को आयोजित वार्षिक माल और उसके आयात-बीमा भाड़ा मूल्य का विवरण देने हुए आयातक मुख्य निर्यातक, आयात निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय में सांख्यिकी निदेशक को आवधिक विवरण पत्र भेजेगा ऐसा प्रत्येक विवरण पत्र निर्दिष्ट अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।
- (5) यह लाइसेंस आयात (निर्यात) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 में शर्तों से, 1 के भी अधीन होगा।
- (6) इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका में उत्पादित या विनिर्मित न हो।
- (7) ऐसे माल का पोतनवान लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व भारत को प्रेषण के अधीन से या लाइसेंसिंग वर्ष की फरवरी की अंतिम तिथि को या इससे पहले बोले गए अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्रों के लिए पक्के आदेशों के मद्दे अगले लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व कर दिया गया हो और जो कुछ भी हो, इसमें किसी किसम की रियायती अवधि की स्वीकृति नहीं दी जाएगी।
- (8) उपर्युक्त शर्त संख्या 7 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी शोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मद के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पाव आयातकों द्वारा बोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साक्ष्य पत्र द्वारा समर्पित पक्के आदेशों के मद्दे पोत लाना किया जाना चाहिए।
- (9) इस प्रकार का माल आयात करने समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत, किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।
- (10) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो उसे दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने में कोई उन्मुक्ति छूट या डील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिए।

टिप्पणी:—इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और अगला लाइसेंसिंग वर्ष" जहाँ भी सदर्भ में आता है, उसका वही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खंड-1) में उल्लिखित है।

[फाइल सं. आईपीसी/3/18/85]

ORDER NO 74/85—88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 7/87

S.O. 287(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa, South West Africa, Jigs, fixtures, Dies and Patterns, (including contour roller dies), moulds (including moulds for diecasting), and press tools [other than those appearing in Appendices 1 Part A, 2 and 3 Part-A of the Import and Export Policy, 1985—88 15 GI/87—3

(Vol. I)] and parts thereof, as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, subject to the following conditions :—

(1) The importer is an Actual User (Industrial) registered with the DGTD, New Delhi or the concerned State Director of Industries or other sponsoring authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his own undertaking;

(2) The goods so imported shall be of new manufacture. If they are second-hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than seven-years old and its remaining life is not less than five years, and the importer shall produce to the customs authority at the time of clearance, a certificate from a professional independent Chartered Engineer any equivalent institute in the country from which import is made, indicating :—

1. DETAILS OF MACHINERY INSPECTED :

- (i) Description with technical specifications. Technical pamphlets/photograph of the machinery may also be enclosed.
- (ii) Name of the manufacturer, with country.
- (iii) Sl. No./other identification mark of the machines.
- (iv) Year of manufacture.
- (v) Year of purchase of the machine by the present seller. Whether the machine was purchased new or used ?

2. NATURE OF INSPECTION :

- (i) Whether the machinery was inspected in working condition.
- (ii) Technical details of tests carried out. A copy of the tests report may be enclosed.
- (iii) National/International Standards followed for the inspection.

3. COMMENTS/ASSESSMENT OF THE CHARTERED ENGINEER :

- (i) Information on major reconditioning/repairs, if any, carried out giving cost, name of the firm which carried out reconditioning/repairs and the date.
- (ii) Present condition of the machinery and its expected residual life.
- (iii) What generation of technology is involved in the machinery inspected ? A comparison with latest machinery available in the international market, highlighting the technological gap may also be made.
- (iv) Estimated c.i.f. value of equivalent new machinery in the international market.
- (v) Comments on reasonableness of price asked for by the suppliers and the basis for such opinion.

(3) The Actual Users (Industrial) concerned shall produce to the satisfaction of the customs authorities concerned at the time of clearance, a declaration giving particulars of his industrial licence/Registration Certificate, namely, the Number and Date of the Industrial Licence/Registration issued to the Actual User as an industrial unit and the end-product (s) manufactured, and affirming that such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, he shall produce appropriate other evidence to the satisfaction of the customs authorities;

(4) The importers shall furnish periodical returns to the Director of Statistics, Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, giving the description of the goods imported and their c.i.f. value, as on 30th September, and 31st March, of the licensing year. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period concerned.

(5) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;

(6) The goods as imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;

(7) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, of the licensing year or on or before 31st March, of the following licensing year against firm orders for which irrevocable Letters of Credits are opened on or before the last date of February of the licensing year, without any grace period, whatsoever;

(8) Notwithstanding what has been provided in condition number (7) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importer before the date of issue of the Public Notice.

(9) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported;

(10) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

Note : For the purpose of this Order, references to "the licensing year" and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985—88).

[File No. IIC/3/18/85]

आवेश सं. 75/85-88

नूतन लाइसेंस सं. 8/87

का. आ. 288 (अ) आयात तथा निर्यात (निर्यात) अधिनियम 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग (ओ. एन. जी. सी.); आयव इंडिया लि.; भारतीय गैस प्राधिकरण लि. सर्वश्री भारत स्वर्ण खान लि. द्वारा कच्चे तेल की मर्चों, संघटकों, उपभोग्य, मशीनरी, उपकरण और यन्त्र, उप साधकों, औजारों और फालतू पुर्जों (किन्तु उपभोग्य तेल को छोड़कर, चाहे उसका उल्लेख किसी भी प्रकार क्यों न किया गया हो) भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है।

(1) तेल एवं गैस प्राकृतिक गैस आयोग (ओ एन जी सी) आयव इंडिया लि. और भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा आयात करने के लिए अनुमित मर्चे वे होंगे जिनकी पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधीन तेल उद्योग में देशीय क्षमता के दृष्टिकोण पर अधिकार प्राप्त समिति ने देशीय दृष्टिकोण में अनुमति प्रदान कर दी हो। इनके लिए सार्व्य सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करना होगा। नीचे (3) और (4) के अधीन देशीय क्षमता के दृष्टिकोण से स्वीकृति अपेक्षित नहीं होगी। परिशिष्ट-1 भाग ब में दी गई मशीनरी, और अनुमेय अतिरिक्त पुर्जों के आयात के लिए तेल उद्योग में देशीकरण पर अधिकार प्राप्त समिति की अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी।

(2) मैसर्स भारत स्वर्ण खनिज लि. द्वारा आयात करने के लिए अनुमित की गई वे मर्चे होंगे जिनकी महुनिदेशक तकनीकी विकास नहीं मिलने से देशीय दृष्टिकोण से अनुमति प्रदान कर दी हो। यदि कहीं 5 लाख रुपये या अधिक में प्रतिष्ठति उपकरणों सहित इलैक्ट्रॉनिक मद और किसी भी मुख्य के समूही इलैक्ट्रॉनिक उपकरण और पुर्जें शामिल हैं, या एक लाख रुपये से अधिक मुख्य के दूरसंचार उपकरण शामिल हैं तो आयात केवल इलैक्ट्रॉनिक विभाग द्वारा अनुमति देने के पश्चात् ही अनुमति किया जाएगा। इस बारे में सार्व्य सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जाएगा। नीचे (3) और (4) के अधीन देशीय क्षमता के दृष्टिकोण से स्वीकृति अपेक्षित नहीं होगी।

(3) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के सहित किए जाएंगे लेकिन नीचे के पैरा (3) और 4 में आने वाले को छोड़कर।

(4) जहां सबिम संविदाएं उस विदेशी ठेकेदार को दी गयी हैं, जो कार्य के निष्पादन के लिए उपकरण लाता है, बशर्ते कि (क) ऐसे उपकरणों के आयात के लिए भुगतान न किया जाता हो और (ख) तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, मैसर्स आयव इंडिया लि./भारतीय गैस प्राधिकरण लि. यह बचन दे कि कार्य की समाप्ति पर ऐसे उपकरण पुनः निर्यात कर दिए जाएंगे। यदि आयवित उपकरण प्रोसेक्टर या कैमरा जो किसी मद के साथ जुड़ा हुआ हो और जो उसके पुर्जों के रूप में हों तो ऐसी कंप्यूटर इयूरेस का आयात, ओएनजीसी मुख्य उपकरण के साथ उसका पुनः निर्यात करने के लिए दिए गए बचन के अधीन होगा।

(5) जहां सर्वश्री मजगाव डायम लि. अब्बा सार्वजनिक क्षेत्र के इसी प्रकार के किसी अन्य उपक्रम को आफ-मोर/आन शोर संविदा दी जाती है और विदेशी इंजीनियरों/विशेषज्ञों की सेवाएं कार्यों को पूरा करने में लगी हुई हैं और ऐसे इंजीनियरों/विशेषज्ञ, कार्यों के निष्पादन के लिए औजार, यंत्र और उपकरण लाते हैं, बशर्ते कि (क) विषयाधीन मान के आयात का भुगतान नहीं करना होगा और (ख) सर्वश्री मजगाव डायम या अन्य सार्वजनिक क्षेत्र का संगठन यह बचन देता है

कि वास्तविक औजार यंत्र और उपकरण उस कार्य को पूरा होने के पश्चात् पुनः निर्यात कर दिए जाएंगे।

(6) ओ एन जी सी या आयल इंडिया लि. या भारतीय गैस प्राधिकरण लि. से आफ-शोर/आन शोर संधि प्राप्त करने वाले निजी क्षेत्र के संस्थानों द्वारा माल आयात किया जाना है और ऐसी संधि के निष्पादन के लिए माल उनके द्वारा अपेक्षित है।

(7) आयात "वास्तविक उपभोक्ता" शर्त के अधीन होगा।

(8) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची -5 की शर्त -1 के अधीन होगा।

(9) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।

(10) भारत को ऐसे माल का लदान बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो, लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिए जाते हैं या मशीनरी और फालतू पुर्जों के मामले में इसका लदान लाइसेंसिंग वर्ष की फरवरी की अंतिम तिथि की इससे पूर्व विदेशी मुद्रा विनियम के व्यापारी (बैंक) के के साथ पंजीकृत की गई पक्की संधि के मुद्दे अगले लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व कर दिया जाता है।

(11) उपर्युक्त शर्त सं. 10 में दी गयी व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मुद्दे के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले कच्चे माल, संघटकों और उपभोज्य के मामले में खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साक्ष्य द्वारा समर्थित पक्के आदेशों के मुद्दे और पंजीकृत माल और अतिरिक्त पुर्जों के मामले में विदेशी मुद्रा व्यापारी (बैंक) के साथ किए गए और पंजीकृत किए गए पक्के ठेके के मुद्दे पोत-लदान किया जाना चाहिए।

(12) इस प्रकार का आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

(13) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आधार या ऐसी किसी भी शर्त का पालन करने के किसी भी समय उन्मुक्त रियायत या बोल प्रदान नहीं करता है जिस आधार या शर्त के लिए वास्तविक उपभोक्ता (औद्योगिक) या आयात अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनमें लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी :- इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और अगला "लाइसेंसिंग वर्ष" जहां भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खंड-1) में उल्लिखित है।

[फा. सं. आई पी सी/3/18/85]

ORDER NO. 75/85—88

OPEN GENERAL LICENSE NO. 8/87

S.O. 288(E).—In exercise of the powers conferred by section 3, of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, items of raw materials, components, consumables, machinery equipment, instruments, accessories, tools and spares (but not consumer goods

howsoever described), by the Oil and Natural Gas Commission (ONGC), Oil India Ltd., Gas Authority of India Limited and M/s. Bharat Gold Mines Ltd., subject to the following conditions :—

(1) The items permitted for import by the Oil and Natural Gas Commission (ONGC), Oil India Ltd. and Gas Authority of India Ltd., shall be those cleared by the empowered Committee on Indigenisation in the Oil Industry under the Ministry of Petroleum and Natural Gas, from indigenous angle. Evidence to this effect shall be produced to the Customs Authorities. Indigenous clearance will not be required under (3) and (4) below. Clearance by the Empowered Committee on Indigenisation in the Oil Industry will not be necessary for import of machinery appearing in Appendix I, Part B and Permissible spares.

(2) The items permitted for import by M/s Bharat Gold Mines Ltd. shall be those cleared by the D.G.D. New Delhi from indigenous angle. Where import of any electronics items including facsimile equipment for a C.I.F. value of Rs. 5 lakhs or more and marine electronics equipment and parts irrespective of value is involved, or communication equipment for a value more than Rs. One lakh is involved, the import shall be allowed only after clearance is given by the Department of Electronics. Evidence to this effect shall be produced to the Customs authorities. Indigenous clearance will not be required under (5) and (5) below.

(3) The import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purpose, except under (4) and (5) below.

(4) Where a service contract has been awarded to a foreign contractor, who brings equipment for execution of work, provided that (a) import of such equipment is not to be paid for and (b) the Oil and Natural Gas Commission/M/s. Oil India Ltd./Gas Authority of India Ltd. undertakes that such equipment shall be re-exported after completion of the work. If the imported equipment is fitted with any item such as projector or camera which forms its part the import of such consumer durables shall be subject to ONGC/Oil India Ltd./GAIL undertaking their re-export alongwith the main equipment.

(5) Where an off-shore/on-shore contract is awarded to M/s. Mazagaon Docks Ltd. or to any other similar undertaking in the public sector, and services of foreign Engineers/Specialists are engaged for completion of the work, and such engineer/specialist brings tools, instruments and equipment for execution of work, provided (a) the import of the goods, in question, is not to be paid for, and (b) M/s. Mazagaon Dock or the concerned public sector organisation undertakes that the imported tools, instruments and equipment shall be re-exported after completion of work.

(6) The goods are required to be imported by public sector undertaking receiving off-shore/on-shore contracts from ONGC or Oil India Ltd. or Gas Authority of India Ltd., and are required by them for execution of such contract.

(7) The import shall be subject to "Actual User" condition.

(8) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.

(9) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa or South West Africa.

(10) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year, or in the case of machinery and spares, these are shipped on or before 31st March of the following licensing year against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the last date of February of the licensing year, without any grace period what-so-ever.

(11) Notwithstanding what has been provided in Condition number (10) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established in the case of raw materials, components and consumables and against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) in the case of Capital goods and spares before the date of issue of the Public Notice.

(12) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

(13) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws (Industrial) or the importer may be subject to applicable to them.

Note : For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

[File No. IPC/3/18/85]

आदेश सं. 76/85-88

सूचना सामान्य आदेश सं. 9/87

का. आ. 289(अ):—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सामान्य रूप से निम्नलिखित शर्तों के अधीन एयर इंडिया, इंडियन, एयरलाइन्स और अन्य उन एयर लाइनों को जो आई ए टी ए के सदस्य हैं, और इसके अंतर्गत विभिन्निकृत क्षेत्रों को फालतू पुर्जों, उपयोग्य सामग्री 1958-88 (खंड-1) की आयात-निर्यात नीति के परिशिष्ट-5 भाग ख के अंतर्गत आने वाली ग्रीज और स्नेहक को छोड़कर एयरक्राफ्ट के टायर और ट्यूब्स, पुस्तिकाओं, तकनीकी ड्राइंग और उनके द्वारा संचालित और रक्षित एयरक्राफ्ट के फ्लोट के सम्बद्ध निर्देशन और अन्य तकनीकी साहित्य और संबंधित परीक्षण और प्रशिक्षण उपकरणों को आयात करने की स्वीकृति प्रदान करती है:—

1. कोई भी उपयोग्य सामान चाहिए उनका किसी भी प्रकार से उल्लेख क्यों न किया गया हो; इस लक्ष्य सामान्य लाइसेंस की

व्यवस्थाओं के अधीन उसे आयात करने की स्वीकृति नहीं दी जाएगी।

2. आयातित सर्वे "वास्तविक उपयोग्य शर्त" के अधीन होंगी।
3. निर्यातों के समय आयातक एयरलाइन्स और आई ए टी ए के अंतर्गत वर्तमान सदस्यता के अंतर्गत की दक्षिण दिशा में सीमा शुल्क प्राधिकारियों को एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा।
4. एयरक्राफ्ट संचालन प्रथमा हवाई भाग से फलनों पर लिडरकने के कार्य में लगी हुई कंपनियों अपने एयरक्राफ्टों के रख-रखाव के लिए सीमा शुल्क को माध्य प्रस्तुत करने हुए कि आयातक पंजीकृत है या दुकान और संस्थानों के लिए लागू स्थानीय नियम के अधीन कम से कम तीन वर्गों से प्रमाणपत्र प्राप्त किए हुए हैं सरकारी राजपत्र में समय-2 पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना द्वारा यथासंशोधित आयात और निर्यात नीति, 1985-88 (खंड-1) के परिशिष्ट-2, 3 भाग-क 8 या 10 में दर्शाए गए से भिन्न केवल प्रतिरिक्त पुर्जों का आयात करना है।
5. एक्जीक्यूटिव एयरक्राफ्ट के स्वामी, चाहे निजी प्रथमा सार्वजनिक क्षेत्र में हो, अपने एयरक्राफ्ट के रख-रखाव के लिए सरकारी राजपत्र में समय-मस पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना द्वारा यथासंशोधित आयात और निर्यात नीति 1985-88 (खंड-1) के परिशिष्ट-2, 3, भाग-क 8 या 10 में दर्शाए से भिन्न केवल प्रतिरिक्त पुर्जों का आयात कर सकते हैं।
6. आयातित माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका से और या वहां उत्पादित या विनिर्मित नहीं होने चाहिए।
7. भारत को माल का लब्धन बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो लाइसेंस वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व परेपण माध्यम से कर दिए जाते हैं।
8. उपर्युक्त शर्त सं. 7 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके लक्ष्य सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मद के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साक्ष्य द्वारा समर्थित पक्के आदेशों के सहे पोतवदान किया जाना चाहिए।
9. यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन होगा।
10. इस प्रकार के माल का आयात करते समय लागू कोई भी विशेष अवधि उसके आयात को प्रभावित करने वाला विधियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयात को प्रभावित नहीं करेगा।
11. यह लक्ष्य ऐसे किसी भी आयात या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी मस उन्मुक्ति, रियायत या छील प्रदान नहीं करता है जिस आयात या शर्त के लिए वास्तविक उपयोग्य (औद्योगिक) अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनके लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी:—इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंस वर्ष" और भगता लाइसेंस वर्ष जहां भी संदर्भ में आता है उनका वही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खंड-1) में उल्लिखित है।

[काइल सं. आई पी सी/3/18/85]

ORDER NO. 76/85-88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 9/87

S.O. 289(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to Air India, Indian Airlines and other Airlines who are members of the IATA and other categories specified hereunder, to import spares, consumables (Excluding greases and lubricants covered by Appendix 5 Part B to the Import & Export Policy, 1985-88, (Volume I), aircraft tyres and tubes, manuals, technical drawings, illustrations and other technical literature pertaining to the fleet of aircraft operated and maintained by them and the associate test and training equipment, subject to the following conditions :—

- (1) No consumer goods now-so-ever described shall be imported under the provisions of this Open General Licence;
- (2) The imported items shall be subject to the "Actual User" condition;
- (3) The importer shall furnish to the Customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of the airline and its current membership of the IATA;
- (4) Companies operating aircraft or engaged in the aerial spraying of cross can import spares only, other than those appearing in Appendices 2, 3, Part-A, 8 and 10 of Import and Export Policy, 1985-88 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, for maintenance of their aircrafts, on production of evidence to the customs that the importer has been registered or holds a certificate for at least three years under the local law applicable to ships and establishments;
- (5) Owners of executive aircraft, whether in private or public sector, can import spares other than those appearing in Appendices 2, 3 Part-A, 8 or 10 of Import & Export Policy, 1985-88 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, for maintenance of their executive aircrafts;
- (6) The goods imported should not be from and/or have not been produce or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;
- (7) Goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year without any grace period, whatsoever;
- (8) Notwithstanding what has been provided in condition No. (7) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the Public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time

limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice;

- (9) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;
- (10) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof in force, at the time when such goods are imported;
- (11) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) importers may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

NOTE.—For the purposes of this Order, reference to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

[F. No. IPC/3/18/85]

आदेश सं. 77/85-88

कुल सामान्य लाइसेंस नं. 10/87

का. आ. 290 (अ) :—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सरकारी राजपत्र में एक सार्वजनिक सूचना जारी करके समय-समय पर यथा संशोधित इसमें संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों की मदों का, प्रत्येक मद के सामने संकेतिक पात्र वास्तविक उपयोक्तारों द्वारा वक्षिणी अफ्रीका/वक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन भारत में आयात करने को सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) अनुसूची में प्रत्येक मद के सामने संकेतिक मूल्य सीमा के भीतर और विनिर्दिष्ट उद्देश्य के लिए आयात किया जाएगा;
- (2) संलग्न अनुसूची में क्रम सं. 2, 4, 5 और 6 पर उल्लिखित शिकत्ता मोजार, आवि, वैज्ञानिक मोजार और मोटर वाहन तथा कृषि ट्रैक्टरों के फालतू पुर्जों के मामले में, पात्र आयातक इस प्रावधान के अधीन उसी वित्तीय वर्ष में पहले से ही आयातित ऐसे माल के लागत सीमा भागा मूल्य के बारे में, सीमा शुल्क प्राधिकार को निवासी के समय घोषणा पत्र देगा।
- (3) मोटर वाहन और कृषि ट्रैक्टरों के फालतू पुर्जों के मामले में, आयातक की सीमा शुल्क प्राधिकारी को, मोटर वाहन अधिनियम, 1939 के अधीन करों के उद्यतन संग्रह/सूट के साथ सहित, संबंध वाहन या ट्रैक्टर का बंध पंजीकरण प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत करना होगा।
- (4) (क) 10 लाख रुपये (जागत बीमा धाड़ा) मूल्य से कम लागत के कंप्यूटर/वैज्ञानिक सिस्टम के मामले में आयात शर्तों

व्यक्तियों द्वारा अपने स्वयं के उपयोग के लिए अनुमति होगा (किन्तु स्टॉक और बिक्री के लिए नहीं) संबंधित आयातक एक प्रेषण में निम्नलिखित न्यूनतम आकृति का आयात करेंगे:—
प्रत्येक केन्द्रीय संसाधन एकक में ये शामिल होंगे:—

- (1) आर्सेनिक सिस्टम शाफ्टवेयर और एक मेगाबाइट तक के मेन रीमोनी के साथ और 300 मेगाबाइट तक के डिस्क मैमोरी क्षमता के एप्लेट
 - (2) कम्प्यूटर कन्सोल
 - (3) दू डिस्क/काटिजिज/टीप ड्राइव्स और एसोसिएटेड कम्प्लेक्स (फ्लोपी और हार्ड ड्राइव्स की छोड़कर)
 - (4) प्रति लाइन 80 प्रिन्ट पोइजन्स या इससे अधिक चौड़ाई के प्लेटों के सहित एक प्रिन्टर।
- (क) पुराने कम्प्यूटर/कम्प्यूटर बेस्ड सिस्टम का आयात अनुमत नहीं किया जाएगा।
- (5) ये माल लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या उससे पूर्व बिना किसी रियायती अवधि के छोड़े जा भी हों, भारत को परेषण के जरिए भेजे गए हों,
 - (6) उपर्युक्त शर्तें सं. (5) में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकार राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मद के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय मात्रा पत्र द्वारा समचित्त पत्रके अधिर्षों के मद्दे पोट-लदान किया जाता जाहिए।
 - (7) आयात "वास्तविक उपयोगता" शर्त के अधीन होगा।
 - (8) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) अधिन, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन होगा।
 - (9) इस प्रकार के माल का वास्तव में आयात करते समय लागू कोई भी विशेष अधिन उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयात को प्रभावित नहीं करेगा।
 - (10) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आयात या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उपसुधित, रियायत या छील प्रदान नहीं करता है जिस आयात या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) या आयातक अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को इनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी :—इस आदेश के प्रयोजनाय "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अवसा लाइसेंसिंग वर्ष" जहां भी संदर्भ में जाता है उसका बर्हि अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खंड 1) में उल्लिखित है।

[फा. सं. आई. पी. सी. / 3/18/85]

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 10/87, दिनांक 1 अप्रैल, 1987 के लिए अनुसूची

सं.	मद	पात्र आयातक, मूल्य सीमा और आयात करने का उद्देश्य
1	2	3
1	मयज और मीष	(1) अस्पताल और चिकित्सा संस्था- नों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी समय में ऐसे आयातित माल का लागत बीमा मात्रा मूल्य 25 हजार रुपए से अधिक नहीं होगा।
		(2) किसी भी व्यक्ति द्वारा उसके निजी उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी एक समय में ऐसे समय में ऐसे आयातित माल का लागत बीमा मात्रा मूल्य एक हजार रुपए से अधिक नहीं होगा, और
		(3) पंजीकृत चिकित्सक द्वारा उनके स्वयं के व्यवसाय में उपयोग के लिए बशर्ते कि एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत बीमा मात्रा मूल्य पांच हजार रुपए से अधिक नहीं होगा।
2	(क) चिकित्सा जिसमें शल्य चिकित्सा आर्टिकल और दन्त चिकित्सा संबंध औजार, उपकरण और यंत्र और बदलाई के पुर्जे और उनके अनुषंगी एवं दन्त चिकित्सा सामान भी शामिल है।	(1) अस्पताल या चिकित्सा संस्था- ओं द्वारा उनके स्वयं के उप- योग आयातित माल का लागत बीमा मात्रा मूल्य एक वित्तीय वर्ष के दौरान दो लाख रुपए से अधिक नहीं होगा।
	(ख) आयात निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड 1) के परिशिष्ट 6 की सूची में दर्शाई गई शल्यचिकित्सा के लिए सीबल और सुइयां	(2) पंजीकृत चिकित्सकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि ऐसे आयातित माल का लागत बीमा मात्रा मूल्य एक वित्तीय वर्ष के दौरान पांच हजार रुपए से अधिक नहीं होगा।
3	एक्स-रे इन्टसिफाइंग स्क्रीन	अस्पताल और रेडियोलॉजिकल क्लिनिकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत बीमा मात्रा मूल्य पचास हजार रुपए से अधिक नहीं होगा।
4	वैज्ञानिक और मापन औजार एवं रसायन	विज्ञान, तकनीकी, इंजीनियरिंग और औषध के क्षेत्र के डॉक्टरों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए (इस संबंध में सीमा शुल्क प्रावि-कारियों को माध्य प्रस्तुत करने पर) बशर्ते कि एक वित्तीय वर्ष के दौरान ऐसे आयातित माल का

ORDER NO. 77/85-88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 10/87

S.O. 290(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa|South West Africa, the items of the description specified in the Schedule annexed hereto, as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, by eligible Actual Users mentioned against each item, subject to the following conditions :—

- (1) The import shall be within the value limit indicated against each item in the Schedule and for the purpose specified;
- (2) In the case of medical instruments, etc, scientific instruments and Chemicals and spare parts of motor vehicles and agricultural tractors referred to at Serial No. 2, 4, 5 and 6 in the annexed schedule, the eligible importer, shall at the time of clearance, give a declaration to the customs authority about the cif value of such goods already imported under this provision in the same financial year;
- (3) In the case of spare parts of motor vehicles, and agricultural tractors, the importer shall also produce to the customs authority the valid Registration Certificate of the vehicle or the tractor concerned, with an evidence of upto date payment/exemption of taxes under the Motor Vehicles Act, 1939;
- (4) In the case of computer|computer based system costing below Rs. 10 lakhs (cif), import will be allowed by all persons for their own use (but not for stock and sale purpose). The concerned importer shall import the following minimum configuration in one consignment :—

Each Central Processing Unit will include :—

- (i) Operating system software and with main memory of a not less than one megabyte and aggregate of disc memory capacity of not less than 300 megabyte.
- (ii) Computer console.
- (iii) Two disk|cartridge|tape drives and associated controller (excluding floppy and cassette drives).
- (iv) One printer with Platen width 80 print positions or more per line.
- (b) Import of second-hand computer|computer based system shall not be allowed.
- (5) The goods are shipped on through consignment basis to India on or before 31st March, of the licensing year, without any grace period, whatsoever;
- (6) Notwithstanding what has been provided in condition No. (5) above, in case any

1 2 3
लागत बीमा माफ़ा मूल्य दम
हजार रुपए से अधिक नहीं
होगा।

5. परीक्षण उपकरण, परीक्षण प्रोजेक्टर और रसायन राज्य औषध नियंत्रक की सिफारिश प्रस्तुत करने पर उनके स्वयं के उपयोग के लिए एक वर्ष से पचास हजार रुपए (लागत बीमा माफ़ा) तक के कम मूल्य के लिए औषध तथा श्रृंगार प्रसाधन अधिनियम, 1940 के अन्तर्गत अनुमोदित परीक्षण प्रयोगशालाएं

6. मोटर वाहन और कृषि ट्रैक्टरों के अतिरिक्त पूर्ण बहु व्यक्ति जिसके पास आयातित वाहन/कृषि ट्रैक्टर है, उसके द्वारा उसके स्वयं के उपयोग के लिए एक वित्तीय वर्ष के दौरान पांच हजार रुपए लागत बीमा माफ़ा मूल्य तक।

7. अल्पवर्षीय रेडियो संचार उपकरण जिसमें बिट्स, उपसाधित (अम्पीना, रोटरी मोटर, फीड वाइन, स्टैबिंग वेब रेडियो बिज सहित (यंत्र, फालतु पूर्ण और संघटन शामिल हैं। उपकरण निम्नलिखित फ्रीक्वेंसी रेंज और पावर सीमाओं के भीतर समन्वय हों। लाईसेंसधारी रेडियो अल्पवर्षीयों द्वारा उनके निजी कार्यों के लिए (इस संबंध में सीमा शुल्क प्राधिकारियों को साक्ष्य प्रस्तुत किया जाएगा) बणों कि एक वित्तीय वर्ष में आयात किए गए ऐसे मात्र का लागत बीमा माफ़ा मूल्य पंद्रह हजार रुपए से अधिक न हो भारत सरकार संचार मंत्रालय, वायरलेस योजना एवं समन्वय स्कन्ध की पूर्ण अनुमति के बिना आयातित मात्र किसी भी पार्टी या व्यक्ति को हस्तांतरित नहीं किया जाएगा।

1. हार्ड फ्रीक्वेंसी (एचएफ)

मोटर वेब	फ्रीक्वेंसी रेंज	पावर सीमाक उत्पादन
160 एमएम	1.8 से 2.0 एमएच जैड	150 वाट्स
80 एमएम	3.5 से 4.0 "	150 वाट्स
40 एमएम	7.0 से 7.5 "	150 वाट्स
20 एमएम	14.0 से 14.50	150 वाट्स
15 एमएम	21.0 से 21.50	150 वाट्स
10 एमएम	28.0 से 30.00	150 वाट्स

2. वेरी हार्ड फ्रीक्वेंसी (वीएचएफ)

2 एन 144 से 146 एमएच जैड 25 वाट्स

3. अल्ट्रा हार्ड फ्रीक्वेंसी (यूएचएफ)

70 सी एम एल 430 से 440 एमएच जैड 25 वाट्स

टिप्पणी :—व्यापारिक के प्रयोजनार्थ हार्ड फ्रीक्वेंसी ट्रांसमिशन में या तो 10 एमएच जैड या 15 एमएच जैड मानक फ्रीक्वेंसी रिसेप्शन सुविधा भी शामिल है।

8. 10 लाख रुपए (लागत बीमा माफ़ा) मूल्य से कम कीमत है सभी व्यक्तियों द्वारा अपने स्वयं के उपयोग के लिए कम्प्यूटर/कम्प्यूटर सेट मिस्टम

item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice.

- (7) Import shall be subject to "Actual User" condition.
- (8) The licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;
- (9) Nothing in this licence shall affect the application to any goods of any prohibition or regulation affecting the import thereof,

in force at the time when they are actually imported; and

- (10) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or importer may be subject to under other laws or regulations, the importers, should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

NOTE.—For the purposes of this Order, reference to "the licensing year", and "the following licensing year" wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

(File No. IPC/3/18/85)

SCHEDULE TO O.G.L. NO. 10/87 Dated the 1st April, 1987

Sl. No.	Item	Eligible importers, value limit and purpose of import
1	2	3
1. Drugs and medicines		<ol style="list-style-type: none"> (i) Hospitals and medical institutions for their own use, provided the cif value of such goods imported at any one time shall not exceed twenty-five thousand rupees; (ii) Any individual, for his personal use, provided the cif value of such goods imported at any one time shall not exceed one thousand rupees; and (iii) Registered medical practitioners, for their own professional use, provided the cif value of such goods imported at any one time shall not exceed five thousand rupees.
2. (a) Medical including Surgical, Optional and dental instruments, apparatus and appliances and replacement parts and accessories thereof and Dental materials.	}	(i) Hospitals and Medical institutions for their own use, provided the cif value of such goods imported shall not exceed two lakhs rupees, in a financial year.
(b) Sutures and needles for surgical purposes appearing in list 5 in Appendix 6 of Import and Export policy, 1985-88 (Vol. I)		(ii) Registered medical practitioners for their own use, provided the cif value of such goods imported shall not exceed five thousands rupees, in a financial year.
3. X-ray intensifying screens.		Hospitals, and radiological clinics for their own use, provided the cif value of such goods imported at any one time shall not exceed fifty thousands rupees.
4. Scientific and measuring instruments and chemicals.		Professionals in the fields of science, technology, engineering and medicines, for their own purpose (to which effect evidence shall be produced to the customs authorities) provided the cif value of such imported goods shall not exceed rupees ten thousand in a financial year.

1	2	3
5. Testing equipments, testing instruments, and chemicals	Testing laboratories approved under the Drugs and Cosmetics Act, 1940, of a total value not exceeding Rs. 50,000/- (cif) in a year for their own use, on production of recommendation of State Drugs Controller.	
6. Spare parts of motors vehicles and agricultural tractors.	Persons owning imported vehicles/agricultural tractors, for their own use, upto a cif value of rupees five thousand in a financial year.	
7. Amateur radio communication equipment including kits, accessories (including antennas rotary motors, feed lines standing wave radio bridge) instruments, spare and components. The equipment is to conform within the following frequency ranges and/or limitations.	By licensed radio amateurs for their own purpose (evidence shall be produced to the customs authorities to this effect) provided the cif value of such goods imported in a financial year do not exceed Rs. 15,000/- Goods imported shall not be transferred to any individual or any party without prior permission of the Wireless Planning & Co-ordination Wing of the Ministry of Communications, Government of India.	

I. High Frequency (H.F.)

Meter Band	Frequency range	Output power limit
160 m	1.8 to 2.0 Mhz	150 Watts
80 m	3.5 to 4.0 Mhz	150 Watts
40 m	7.0 to 7.5 Mhz	150 Watts
20 m	14.0 to 14.50 Mhz	150 Watts
15 m	21.0 to 21.50 Mhz	150 Watts
10 m	28.0 to 30.00 Mhz	150 Watts

II. Very High Frequency (VHF)

2 m	144 to 146 Mhz	25 Watts
-----	----------------	----------

III. Ultra High Frequency (UHF)

70 Cms	430 to 440 Mhz	25 Watts
--------	----------------	----------

Notes: The H.F. transceivers also incorporate either 10 Mhz or 15 Mhz standard frequency reception facility for calibration purposes.

8. Computer/computer based system. By all persons for their own use. Costing below Rs. 10 lakhs (cif)

आवेश सं. 78/85-88

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 11/87

क.7. डा. 291(अ):-- आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार अगला आदेश होने तक जहाज के मरम्मत कार्यों में सने हुए वास्तविक उपयोगिताओं को निम्नलिखित शर्तों के अधीन (1) प्रयोज्य माल, (2) कच्चे माल, (3) संघटकों, (4) उपकरणों एवं (5) किसी भी देश से अतिरिक्त पूरों के आयात की सामान्य अनुमति देती है, परन्तु दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका इसमें शामिल नहीं है।--

(1) आयातक, महानिदेशक, जहाजरानी, बम्बई के पास जहाजों की मरम्मत करने वाले एचके के रूप में पंजीकृत है।

(2) माल का आयात सीमा शुल्क बन्ध परिसर में किया जाएगा।

(3) आयातित माल का उपयोग समुद्री जहाजों की मरम्मत के लिए यात्रे के जहाज भारतीय हों या विदेशी वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना सं. 211/83-कस्टम और सं. 212/83-कस्टम, दोनों विनियमित 23 जलाई, 1983 के उपबन्धों के अनुसार किया जाएगा।

15 GI/87-4

(4) सीमा शुल्क बन्धपत्र के लिए लागू प्रक्रिया का अनुसरण ट्रांजिट बांड को शामिल करते हुए किया जाएगा।

(5) प्रत्येक वित्तीय वर्ष में भंडार संबंध वास्तविक उपयोगिता आयातित मालों का लेखा और उनका लागत बीमा बांडा मूल्य तथा जहाजों की मरम्मत से कराई गई विदेशी मुद्रा का लेखा बैंक द्वारा विधिवत प्रमाणित कराकर संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी एवं महानिदेशक, जहाजरानी, बम्बई को प्रस्तुत करेगा।

(6) आयातक, महानिदेशक, जहाजरानी द्वारा उसको जारी किए गए पंजीकरण प्रमाणपत्र में दी गई सभी शर्तों का पालन करेगा।

(7) इस प्रकार का माल आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाले विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार से माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

(8) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आयात या किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उल्लंघित रियायत या वील प्रदान नहीं करता है, जिस आयात या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (प्रौद्योगिक) अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी :— इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाईसेंसिंग वर्ष" और अगला लाइसेंसिंग वर्ष जहाँ भी संदर्भ में आता है उसका वही वर्ष है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड 1) में उल्लिखित है।

[फाइल सं. आई पी सी 3/18/85]

ORDER No. 78/85-88

- OPEN GENERAL LICENCE NO. 11/87

S.O. 291(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to the Actual Users engaged in ship repairing work, for import of (i) Capital Goods, (ii) raw materials, (iii) Components, (iv) consumable and (v) spares, from any country, except the Union of South Africa/South West Africa subject to the following conditions :—

- (1) The importer is registered with the Director General, Shipping, Bombay as a ship repairing unit.
- (2) The goods shall be imported in custom bonded premises.
- (3) The imported goods shall be used in repairs of ocean-going-vessels, whether Indian or foreign, in accordance with the provisions of Ministry of Finance, Department or Revenue, Notifications No. 211/83 Customs and 212/83-Customs both dated the 23rd July 1983.
- (4) The procedure applicable for customs bonding shall be followed including transit bond.
- (5) At the end of each financial year, the actual User concerned shall give an account of the items and their CIF value, imported and used in the ship repairing work and the amount of foreign exchange earned in ship repairs, duly certified by the bank, to the licensing authority concerned, and the Director General, Shipping, Bombay. This return shall be sent through the Customs Officer attached to the Unit concerned;
- (6) The importer shall comply with all conditions said down in the Registration Certificate, Issued to him by Director General, Shipping.
- (7) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (8) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note : For the purposes of this Order, reference to "the licensing year" and "the following licensing year" wherever appear in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

[F. No. IPC/3/18/85]

आदेश सं. 79/85—88

खुला सामान्य लाईसेंस सं. 12/87

का. प्रा. 292(प्र).— आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा दक्षिणी अफ्रीका/पश्चिमी पश्चिमी अफ्रीका संघ के अतिरिक्त किसी भी देश के सरकारी विभागों (केंद्रीय अथवा राज्य) अथवा सरकारी अथवा सरकार द्वारा नियंत्रित परियोजना से किसी भी माल के भारत में आयात को निम्नलिखित शर्तों के अधीन सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) भारत सरकार और संबंधित विदेशी सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार, विधायीत माल का निःशुल्क आयात किया जाता है।
- (2) आयातित माल भारतीय सरकार और संबंधित विदेशी सरकार बीच किए गए संगत समझौते के अनुसार और इस संबंध में प्रशासनिक मंत्रालय अथवा संबंधित परियोजना प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया प्रमाणपत्र निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जाएगा।
- (3) ऐसे माल का प्रेषण द्वारा भारत में लाईसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को अथवा उससे पूर्व, बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो, नदान किया जाना है।
- (4) ऐसे माल दक्षिणी अफ्रीका संघ/पश्चिमी पश्चिमी अफ्रीका संघ में उत्पादित अथवा विनिर्मित नहीं हो।
2. इस लाईसेंस के अंतर्गत दो सरकारों के बीच हुए समझौते के अधीन भारत में परियोजना का निष्पादन करने के लिए भारत आने वाले विदेशी विशेषज्ञों के व्यक्तित्व सामान के आयात की अनुमति भी निकासी के समय प्रशासनिक मंत्रालय अथवा संबंधित परियोजना का इस संबंध में एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करते पर ही जाएगी कि आयातित माल जिसका ब्योरा प्रमाणपत्र में दिया जाता है, भारत सरकार और संबंधित विदेशी सरकार के साथ-हुए समझौते के अनुसार किया गया है। आयात इस शर्त पर भी होगा कि ज्यों ही संबंधित विदेशी विशेषज्ञ अपना कार्य पूर्ण कर भारत में जाने लगे तो (उपरोक्त माल से विन्व) अन्य माल का पुनः निर्यात किया जाएगा।
3. यदि माल के आयात के समय उस आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाईसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
4. यह लाईसेंस ऐसे किसी भी आधार पर ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति, रिहायश या डीन प्रदान नहीं करता है जिस आधार या शर्त के लिए आन्तरिक उपयोगिता (औद्योगिक) या आयातक अन्य कानून(न) या विनियमों के अधीन हो। आयातक की उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी:— इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाईसेंसिंग वर्ष" और अगला लाईसेंसिंग वर्ष जहाँ भी संदर्भ में आता है उसका वही वर्ष है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1) में उल्लिखित है।

[फाइल सं. आई पी सी 3/18/85]

ORDER NO. 79/85-88

प्रादेश सं. 80/85-88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 12/87

खुला सामान्य लाईसेंस सं. 13/87

S.O. 292(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, any goods by Government Departments (Central or State) or projects owned or controlled by Governments, subject to the following conditions:—

- (i) The goods, in question, are imported free of cost, in pursuance of an agreement between the Government of India and the foreign Government concerned;
- (ii) The goods imported are in accordance with the relevant agreement entered into between the Government of India and the foreign Government concerned, and a certificate to this effect issued by the administrative Ministry or the Project Authority concerned shall be produced to the customs authorities at the time of clearance;
- (iii) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, of the licensing year, without any grace period whatsoever; and
- (iv) The goods as imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.

2. Under this Licence, import will also be allowed of personal effects of foreign expert coming to India under Government to Government agreement for the execution of a project in India on production of a certificate of the Administrative Ministry of the Project Authority concerned, at the time of clearance, to the effect that imported goods (to be mentioned in the certificate) are in accordance with the agreement entered into by the Government of India with the foreign Government concerned. The import shall also be subject to the condition that the goods (other than consumables) are re-exported as soon as the foreign expert concerned leaves India after completion of his assignment.

3. Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

4. The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the Importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note : For the purposes of this Order, reference to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appear in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

[F. No. IPC/3/18/85]

का. भा. 293 (घ) :— आयात एवं निर्यात (नियंत्रक) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित जनों के अधीन वास्तविक उपयोगिता द्वारा सरकारी राजस्व में समग्र समय पर दी गई सार्वजनिक सूचना द्वारा यथा संशोधित आयात एवं निर्यात नीति 1985-88 (खण्ड 1) के परिशिष्ट-6 की सूची-1 में दिखाए गए रत्न एवं आभूषण उद्योग के लिए अश्विन मशीनरी, उपकरण, परीक्षण उपकरणों, औजारों और सहायक पुर्जों के आयात के लिए सामान्य अनुमति देती है जिनका संस्थापन रत्न एवं आभूषण निर्यात संबंधी परिदृश्य प्रशिक्षण संस्थान और रत्न एवं आभूषण के लिए अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं, रत्न परीक्षण प्रयोगशालाओं, रत्न एवं आभूषण के पंजीकृत निर्यातकों, मुताबिक एवं कारीगरों की सहायक समितियों परिषद, द्वारा स्थापित संस्थानों में उपयोग के लिए रत्न एवं आभूषण के लिए निर्यात संबंधित परिषदों और रत्न एवं आभूषण उद्योग में संबंधित क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा किया गया हो।

- (1) आयात "वास्तविक उपयोगिता" जनों के अधीन होगा,
- (2) इस प्रकार आयात किया गया माल नए निर्माण का होगा, यदि वह माल पुराना या भस्मित की गई मरों के रूप में होगा तो उसके आयात की अनुमति केवल तब ही जाएगी जब मशीनरी 7 वर्ष से अधिक पुरानी न हो और उसकी शेष आयु 5 वर्ष से कम न हो और जिस देश से आयात किया गया हो उस देश के सबसे इंजीनियर से माल की निकासी के समय इस संबंध में एक प्रमाण पत्र सीमा शुल्क प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किया जाता हो।
- (3) रत्न एवं आभूषण के पंजीकृत निर्यातक माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को अपने पंजीकरण का यह विवरण देते हुए कि वे रत्न एवं आभूषण निर्यात संबंधित परिषद के पास निर्यातक के रूप में पंजीकृत हैं और यह गपव लेते हुए यह घोषणा पत्र प्रस्तुत करेंगे कि उक्त पंजीकरण न तो रद्द किया गया है, न वापस लिया गया है, न प्रत्यया रूप से अप्रभावी किया गया है। स्वयंकारों और शिल्पकारों की सहायक समिति इसी प्रकार से सहायक समिति के रूप में अपने पंजीकरण के विवरण में एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेंगी।
- (4) रत्न और आभूषण उद्योग रत्न एवं आभूषणों के लिए अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं से संबंधित क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों की सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए संबंधित प्राधिकारी की मान्यता दर्शित हुए एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना चाहिए।
- (5) इस प्रकार आयातित माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में उत्पादित माला विनिर्मित न हो।
- (6) ऐसा मान खानू लाईसेंस वर्ष की 31 मार्च को अवकाश से पहले किसी भी रियायत के बिना भारत को परेषण के माध्यम से लाद दिया गया हो,
- (7) उद्धृत जनों में (6) में दी गई व्यवस्था के बावजूद भा. लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाईसेंस में से की गई किसी भी मद के मामले में सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिस के द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पत्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित

किए गए अतिरिक्ततीय साक्ष्य द्वारा समर्थित पक्के प्रादेशों के मध्ये पोत लदान किया जाना चाहिए।

- (8) यह लाईसेंस आयात (निर्वाह) प्रादेश 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन होगा।
- (9) यदि माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाईसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (10) यह लाईसेंस ऐसे किसी भी आधार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मूलित, रियायत या छील प्रदान नहीं करता है जिस आधार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) या आयात अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी:— इस प्रादेश के प्रयोजनार्थ "लाईसेंसिंग वर्ष" और "मगला लाईसेंसिंग वर्ष" जहाँ भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1) में उल्लिखित है।

[फाइल नं. आई पी सी/3/18/85]

ORDER NO 80/85-88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 13/87

S.O. 293(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission for import of machinery, equipments, testing apparatus, tools and implements, required for Gem and Jewellery industry, appearing in List 1 of Appendix 6 of the Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette by Actual Users as certified by the Gem and Jewellery Export Promotion Council, Training Institutes and Research and Development Laboratories for Gem and Jewellery, Gem Testing Laboratories, Registered Exporters of Gem and Jewellery, Cooperative Societies of Goldsmiths and Artisans, Export Promotion Councils for Gem and Jewellery for use in the Institutes set up by the Council and Regional Training Institutions connected with Gem and Jewellery Industry, from any country except the Union of South Africa/South West Africa subject to the following conditions :—

1. The import shall be subject to "Actual User" conditions;

2. The goods so imported shall be of new manufacture; if they are second-hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than seven years old and its remaining life is not less than five years, and evidence to this effect in the form of a certificate of a Chartered Engineer in the country from which the import is made, is produced to the satisfaction of the Customs authority at the time of clearance.

3. Registered Exporter of Gem and Jewellery will furnish to the Customs authorities at the time of clearance of goods, a declaration giving particulars of his registration as an exporter with the Gem and Jewellery Export Promotion Council and affirming that such registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. A Cooperative Society of Goldsmiths and Artisans will, likewise, furnish a declaration about its registration as a Co-operative Society;

4. Regional Training Institutes connected with the Gem and Jewellery Industry Research and Development Laboratories for Gem and Jewellery, Gem Testing Laboratories shall furnish a certificate indicating recognition by the concerned authority to the satisfaction of the customs authority;

5. The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;

6. Such goods are shipped on through consignments to India on or before 31st March, of the current licensing year, without any grace period whatsoever;

7. Notwithstanding what has been provided in condition No. 6 above, in case any item is taken out of Open General Licence in the Public Interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice.

8. This licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.

9. Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof in force at the time when such goods are imported; and

10. The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual User (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

NOTE : —For the purposes of this Order, reference to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appear in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

[File No. IPC/3/18/85]

प्रादेश सं. 81/85-88

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 14/87

का.पा. 294(घ).—आयात निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार दक्षिण अफ्रीका मध्य/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका को छोड़कर विषय के किर्मा भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन (क) सरकारी विभाग, जो औद्योगिक विभागीय संस्थानों से भिन्न हो, (ख) सरकारी औद्योगिक संस्थान विभागों द्वारा परिचालित (ग) रेलवे, (घ) सार्वजनिक क्षेत्र में राज्य विद्युत बोर्ड/परियोजना संस्थान और (ङ) रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक संस्थानों को पूंजीगत माल, कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्य और अतिरिक्त पुर्जों का आयात करने की सामान्य अनुमति प्रदान करती है:—

- (1) सरकारी विभागों/सरकारी औद्योगिक संस्थानों (विभागों द्वारा परिचालित किन्तु इसमें रक्षा संस्थान शामिल नहीं हैं) और रेलवे के मामले में पूंजीगत माल, संघटकों उपभोग्यों और अतिरिक्त पुर्जों की खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयात करने की अनुमति होगी, बशर्ते कि—

- (1) आयात निर्यात नीति, 1985-88 खण्ड (1) के परिशिष्ट 2, 3, 8 और 10 के अधीन आने वाली मर्चों के आयात के लिए महानिदेशक, तकनीकी विकास नई दिल्ली से देशी निकासी प्राप्त कर ली गई हो।
- (2) जहाँ 5 लाख रु० या इससे अधिक के लागत-बीमा भाड़ा मूल्य की इलेक्ट्रॉनिक मर्चें जिसमें प्रतिकृति उपकरण भी शामिल हों और मूल्य की ध्यान में रखे बिना समुद्रीय इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और पुर्जों का 1 लाख रु० से अधिक के संचार उपकरणों का आयात शामिल हो, वहाँ इलेक्ट्रॉनिक विभाग, नई दिल्ली से निकासी प्राप्त कर ली गई हो।
- (3) आयातित पूंजीगत माल की मर्चें वे हैं जो आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-1 भाग-ख के अंतर्गत आती हैं जो आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड 1) के परिशिष्ट 1, भाग 2 और 3 भाग क में शामिल किए गए हैं बिजु ज़िप्स, जुड़नार बाइज और पेन्टर्स मोल्डर्स (इंजिनियरिंग के लिए मोल्डस सहित, मोल्डस और प्रेस ओजार और उनके पुर्जों।
- (4) प्रशासकीय मंत्रालय/युक्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मुद्दे आयात किया है और
- (5) निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारी को उपयुक्त (1), (2) और (4) के आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत किए जाते हैं।

- (2) राज्य विद्युतीय बोर्ड/परियोजना/सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों और महानिदेशक दूर दूर तथा आकाशवाणी, नई दिल्ली और शक तथा तार विभाग के मामले में अतिरिक्त पुर्जों का आयात खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन अनुमय होगा, बशर्ते कि,

- (1) इस उद्देश्य के लिए आयात, सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मुद्दे किया गया हो,
- (2) प्रतिबंधित अतिरिक्त पुर्जों सर्था जो 1985-88 की आयात निर्यात नीति (खण्ड-1) के परिशिष्ट 2 भाग ख 3-भाग क, 8 या 10 में आते हैं उनके लिए देशी

निकासी महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली से प्राप्त कर ली गई हो।

- (3) जहाँ 5 लाख रु० के लागत बीमा भाड़ा मूल्य या इससे अधिक मूल्य की इलेक्ट्रॉनिक मर्चों के मूल्य की ध्यान में लिए बिना समुद्रीय इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और उनके पुर्जों या 1 लाख रु० से अधिक के संचार उपकरणों का आयात शामिल हो वहाँ निकासी इलेक्ट्रॉनिक विभाग, नई दिल्ली से प्राप्त कर ली गई हो, और

- (4) निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को उपयुक्त (1), (2) और (3) के आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत किए गए हों।

- (3) रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक संस्थानों के लिए निम्नलिखित प्रावधान लागू होंगे:—

- (1) कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्यों और अतिरिक्त पुर्जों के आयात की अनुमति खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन दी जाएगी देखिए आयात निर्यात नीति 1985-88 (खण्ड 1) के परिशिष्ट-6 की मर्च सं. 1, 2 और 4 किन्तु यह उनमें निर्धारित शर्तों के अधीन है।
- (2) अनुसंधान एवं विकास एक कच्चा माल और अन्य माल आयात करने के लिए पात्र होंगे, देखिए आयात निर्यात नीति 1985-88 (खण्ड 1) के परिशिष्ट-6 की मर्च सं. 5, किन्तु यह उनमें निर्धारित शर्तों के अधीन है।
- (3) पूंजीगत माल का आयात सभी अनुमय होगा यदि वह आयात निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड 1) के परिशिष्ट 1, भाग ख में दर्शाया गई हो और जिस और जुड़नार के आयात की अनुमति उस नीति के परिशिष्ट 6 की मर्च सं. 6 के अनुसार दी जाएगी।
- (4) कम्प्यूटर के अतिरिक्त पुर्जों का आयात 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड 1) के परिशिष्ट 6 की मर्च सं. 8 के अनुसार अनुमय होगा।
- (5) वे मर्चें जिनका आयात 1985-88 की आयात-निर्यात नीति (खण्ड 1) के परिशिष्ट 6 के अनुसार खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन वास्तविक उपयोगिता और/या सभी व्यक्तियों द्वारा वहाँ किया जा सकता है जहाँ ऐसे माल का आयात करने वाले औद्योगिक एककों द्वारा कच्चे माल, संघटकों या उपभोग्य सामग्री के रूप में धरोक्षित हो।

- (6) लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान इस प्रकार के आयातों के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा संयोजित एक को आर्बिट्रर विदेशी मुद्रा से अधिक का कुल आयात नहीं होगा और सीमाशुल्क के निकासी के समय आयातक एक इस संबंध में एक घोषणापत्र प्रस्तुत करेगा कि लाइसेंसिंग वर्ष में संबंधित आयातक एक को रक्षा मंत्रालय इस उद्देश्य के लिए कुल दी गई विदेशी मुद्रा की धनराशि से निकासी के अधीन है/जिसकी निकासी पहले ही कर ली गई है, उसका मूल्य उससे ज्यादा नहीं है।

- (4) इस प्रकार आयातित माल दक्षिण अफ्रीका मध्य/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका में निनिमित या उत्पादित नहीं हुआ है।

(5) ऐसा माल भारत को परेषण के माध्यम से लाइसेंसिंग वर्ष के 33 मार्च को या इससे पहले जहाज पर लाइ दिया जाता है या कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्य सामग्री के मामले में लाइसेंसिंग वर्ष के फरवरी माह की अंतिम तारीख को या इससे पहले खोले गए अपरिवर्तनीय साख पत्र के लिए दिए गए पत्रके प्रावेशों के मद्दे पहले लाइसेंसिंग वर्ष के 30 जून को या इससे पहले माल का लदान कर दिया जाता है या पूंजीगत माल, अतिरिक्त पुर्जों के मामले में, माल की बकी संविदाओं और विदेशी मुद्रा में लेन-देन करने वाले व्यापारी (बैंक) के साथ किए गए पूंजीकरण के मद्दे भगले लाइसेंसिंग वर्ष के 31 मार्च को या इससे पहले या बिना किसी अवधि छूट के चाहे जो कुछ भी हो, लाइसेंसिंग वर्ष के फरवरी माह की अंतिम तारीख को या इससे पहले जहाज पर लाइ दिए जाते हैं।

(6) उपर्युक्त शर्तें सं. 5 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मद के मामले में, सरकार को ऐसी समय-सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पत्र, आयातकों द्वारा कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्य के मामले में खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साख पत्र द्वारा सम्यिक पत्रके प्रावेशों के मद्दे तथा पूंजीगत माल और अतिरिक्त पुर्जों के मामले में विदेशी मुद्रा व्यापारी (बैंक) के पास किए गए और पूंजीकृत किए गए पत्रके ठेकों के मद्दे पोतलदान किया जाना चाहिए।

7. किसी माल के लिए उस आयात को प्रभावी करने वाला कोई अन्य निषेध या विनियम लागू होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

8. यह लाइसेंस किसी भी समय वास्तविक उपयोगता (ऑपयोगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन प्रस्ता हो, तो उसके साथित्व से या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई अनुमति, छूट या डील प्रदान नहीं करता है। आयात को इसके लिए लागू अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिए।

टिप्पणी: इस प्रावेष के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और अगला लाइसेंसिंग वर्ष का जहां भी संदर्भ आता है उसका वही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खंड-1) में उल्लिखित है।

[फाइल सं. आई पी सी/3/18/85]

ORDER NO. 81/85-88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 14/87

S.O. 294 (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government gives general permission to (a) Government Departments and distinct from industrial departmental undertakings, (b) Government Industrial Undertaking (Departmentally-run), (c) Railways (d) State Electricity Boards/Undertakings/projects, in the Public Sector, and (e) Public Sector Industrial Undertakings under the Ministry of Defence, to import capital goods, raw materials, components, consumables and spares, from any country except the Union of South Africa/South West Africa, subject to the following conditions :

1. In the case of Government Departments/Government Industrial Undertakings/Departmentally-run excluding, however, Defence Undertakings, and Railways, import of Capital Goods, raw materials, components, consumables and spares will be allowed under OGL provided that :—

(i) For import of items covered by Appendices 2, 3, 8 and 10 of the Import and Export Policy 1985-88 (Volume I), indigenous clearance has been obtained from DGTD, New Delhi.

(ii) Where import of any electronic items including facsimile equipment for a cif value of Rs. 5 lakhs, or more and marine electronic equipment and parts, irrespective of value or communication equipments for a value exceeding rupees one lakh is involved, clearance has been obtained from the Department of Electronics, New Delhi.

(iii) Items of Capital Goods imported are those covered by Appx 1 Part-B of Import and Export Policy, 1985—88 (Volume I) and jigs, fixtures, dies and patterns including contour roller dies, moulds (including moulds for diecasting) and press tool, other than those in Appendices I Part-A, 2 and 3 part A of Import & Export Policy, 1985—88 (Volume I), and parts thereof.

(iv) Import is made against foreign exchange released by the Administrative Ministry/Ministry of Finance Deptt. of Economic Affairs, and

(v) Necessary evidence of (i), (ii) and (iv) above is produced to the customs authority at the time of clearance.

2. In the case of State Electricity Boards/Projects/Undertakings, in the Public sector, and the Director Generals "Doordarshan" and All India Radio, New Delhi and Posts & Telegraphs Department, import of spares only will be allowed under OGL, provided :—

(i) Import is made against foreign exchange released by the Government for the purpose.

(ii) In respect of restricted spares i.e. those covered by Appendices 2 part-B, 3 Part-A, 8 or 10 of the Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I), indigenous clearance has been obtained from DGTD, New Delhi.

(iii) Where import of any electronic items for a cif value of Rs. 5 lakhs or more, marine electronics equipment and parts irrespective of value or communication equipment for a value exceeding rupees one lakh is involved, clearance has been obtained from the Department of Electronics, New Delhi; and

(iv) Necessary evidence of (i) (ii) and (iii) above is produced to the customs authority at the time of clearance.

3. In the case of public sector Industrial Undertaking under the Ministry of Defence, the following provisions shall apply :—

- (i) Import of raw-materials, components, consumables and spares will be allowed under OGL vide item Nos. 1, 2 and 4 of Appendix 6 of the Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I), subject to the conditions laid down therein;
- (ii) R&D units will be eligible to import raw-materials and other items vide item No. 5 in Appx. 6 of the Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I), subject to the conditions laid down therein;
- (iii) Import of Capital Goods will be allowed only if they appear in Appendix 1 Part B of the Import and Export Policy 1985-88 (Vol. I) and import of jigs and fixtures etc. will be allowed vide item No. 6 of the said policy.
- (iv) Import of computer spares will be allowed vide item No. 9 in Appx. 6 of Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I).
- (v) Import of items which can be imported by "Actual Users" and/or "All persons" under OGL, vide App. 6 of Import & Export Policy, 1985-88 (Vol. I), where such goods are required as raw-materials, components or consumables by the importing industrial units.
- (vi) The total value of imports shall not exceed the foreign exchange allocated to the industrial unit concerned by the Ministry of Defence for the purpose of such imports during the licensing year and at the time of clearance through customs, the importer unit shall submit a declaration to the effect that the value of goods under clearance already cleared does not exceed the total amount of foreign exchange released for the purpose by the Ministry of Defence to the importing unit concerned for the licensing year.

4. The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South-West Africa.

5. Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year or in the case of raw-materials, components and consumables, the goods are shipped on or before 30th June of the following licensing year against firm orders for which irrevocable letters of credit are opened and established on or before the last date of February of the licensing year, or, in the case of Capital Goods, spares, these are shipped on or before 31st March of the following licensing year, against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) or before the last date of February of the licensing year, without any grace period, whatsoever.

6. Notwithstanding what has been provided in condition No. (5) above, in case any item is taken out of Open General licence in the Public Interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established in the case of raw-materials, components and consumables, and against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) in the case of capital goods and spares by eligible importers before the date of issue of the Public Notice.

7. Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

8. The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

NOTE : For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

{File No. IPC/3/18/85}

आदेश सं. 82/85-88

बुला सामान्य लाइसेंस सं. 15/87

का. प्र. 295(प्र)—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) की धारा-3 के अन्तर्गत प्रवर्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना के द्वारा यथा संगोष्ठन केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इस आदेश से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट, विवरण के मास का दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश से भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति निम्नलिखित बातों के अधीन होती है :

- (1) क्रम सं. 1 में शामिल "अध्यापन सहाय" के मामले को छोड़कर इस आदेश से संलग्न अनुसूची में शामिल अन्य सभी भवें किसी भी व्यक्ति द्वारा स्टाक करने और बिक्री करने के उद्देश्य के लिए आयात की जा सकती है।
- (2) "अध्यापन सहाय" के मामले में आयात की अनुमति केवल मान्यताप्राप्त शैक्षिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और अनुसंधान संस्थानों इन संस्थाओं के पुस्तकालयों, केन्द्रीय या राज्य सरकार के विभागों, अनुसंधान और विकास कार्यों में लगी हुई औद्योगिक युनिटों, पंजीकृत चिकित्सकों, अस्पतालों परामर्शदाताओं, मास्यता प्राप्त वाणिज्य मंडलों, उत्पादकता परिषदों, प्रबन्ध संघों और व्यावसायिक निकायों को उनके निजी उपयोग के लिए ही जाएगी।
- (3) वालों के मामले में, सभी पात्र निर्यातकों को भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) के पास स्वयं को पंजीकृत कराया होगा। आयात सभी किए जाएंगे जबकि ऐसे पंजीकरण के साक्ष्य के रूप में संबंधित संविदा पर नेफेड द्वारा मुहर लगा दी गई है। इस उद्देश्य के लिए "नेफेड" की को प्रमाण

मेकड को दी जानी चाहिए। वे उसकी एक प्रति के प्रत्येक पृष्ठ पर विधिवत मुहर लगाकर आयातक को सौटा देंगे, जो माल की निकासी के समय सीमा शुल्क कार्यालय को प्रस्तुत की जाएगी।

- (4) वैश्विक, वैज्ञानिक और तकनीकी पुस्तकों के आयात के मामले में निम्नलिखित शर्तें लागू होंगी :

(क) शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली से पहले ही लिखित रूप में निकासी की अनुमति लिए बिना एक लाइसेंसिंग प्रबंध के दौरान एक ही शीर्षक की 1,000 प्रतियों से अधिक के आयात की अनुमति एक ही आयातक (उसकी शाखाओं सहित) को नहीं दी जाएगी। लेकिन, यह प्रतिबंध अंग्रेजी भाषा पुस्तक सोसायटी शीर्षकों और संयुक्त भारत-रूप पाठ्य पुस्तक कार्यक्रम के अन्तर्गत की पुस्तकों के लिए लागू नहीं होगा।

(ख) विदेशी संस्करण की उन पुस्तकों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी जिनके प्राधिकृत भारतीय पुनः मुद्रण के संस्करण उपलब्ध हैं।

(ग) शिक्षा मंत्रालय नई दिल्ली की पूर्व लिखित विशेष अनुमति के बिना भारतीय प्रकाशनों के विदेशी पुनः मुद्रणों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(घ) भारतीय समग्र तट के केवल ऐसे नौ परिवहन संबंधी भाटों के आयात की अनुमति दी जाएगी जिनकी संख्या हाइड्रोग्राफर, भारत सरकार, बेहराबून द्वारा विधेय रूप से निकासी कर दी गई हो।

(ङ) अस्सीस सप्ताही वाली या यौन शिक्षा करने वाली या हिंसा भड़काने वाली पुस्तकों, पत्रिकाओं और पहले ही रिकार्ड किए कसेट के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(च) विदेशों में प्रकाशित पुस्तकों के प्रमाधिकृत पुनः प्रकाशनों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी। सीमा शुल्क के आध्यम से निकासी के समय, आयातक यह वशति हुए एक घोषणापत्र प्रस्तुत करेगा कि आयातित पुस्तकों में वे पुस्तक शामिल नहीं हैं, जो आयात नियति नीति, 1985-88 में अनुमेष नहीं हैं।

(छ) रिकार्ड/पहले से ही रिकार्ड किए हुए सैट को पूर्ण रूप से वैश्विक प्रकृति की पुस्तक के अधिष भाग हों, संभरकों में प्रमाश्रित कर दिया हो कि रिकार्ड/पहले रिकार्ड किए हुए कसेट पुस्तक के अधिष भाग हैं और संबंधित बीजक रिकार्ड/पहले से रिकार्ड किए गए कसेट का ध्वारा वर्णित हो।

- (5) औषध मर्तों के मामले में, जहाँ कहीं आवश्यक हो, औषध एवं शृंगार प्रावधान मामयी अधिनियम, 1940 के अधीन वैष लाइसेंस रखने की अवस्यकता पूर्ण कर देनी चाहिए।
- (6) खजूरों, होम्योपैथिक औषधियों, कँसर निरोधक भेषजों, जीवन रक्षक भेषजों और अपरिष्कृत भेषजों के मामले में, परम्परागत छोटै वैकिंग में भी आयात अनुमेष होगा।
- (7) हम प्रकार आयात किया गया माल यक्षिणी पत्रिका/दक्षिणी पश्चिमी घफ्रीका संघ में उत्पादित या विनिर्मित न हो।
- (8) ऊर्जा बचत/संरक्षण उपस्करों जिसमें ऊर्जा के नवीकरण और परिवर्तक पर काम करने/प्रयोग करने के सिस्टम और डिवाइसिस भी शामिल हैं। जहाँ आयातक को नाम कर्ष्यजन एनर्जी स्रोत

विभाग, ब्लॉक नं. 14, लोधी रोड, सी डी डो कांभक्सस/ नई दिल्ली 3 को सीधाशुल्क से माल की निकासी के 15 दिनों के भीतर आयातित उपस्कर से संबंधित निम्नलिखित सूचना भेजेगा :-

- (1) आयातित उपस्कर का विवरण
- (2) उसका लागत बीमा भाड़ा मूल्य
- (3) आयातित उपस्कर पर चुकाई गई सीमा शुल्क कर की छनराशि
- (4) बहु देश जिससे आयात किया गया।

(9) केवल उन व्यक्तियों, जो कि इन्सेफ्टीसाइड अधिनियम, 1988 के अंतर्गत पंजीकृत हैं के द्वारा जिर्बैलिक एसिड का आयात अनुमित किया जाएगा।

(10) ऐसा माल भारत को परेषण के माध्यम से किसी भी रियायती प्रबंध के बिना लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या उससे पहले पोत पर लादा गया हो।

(11) उपर्युक्त शर्त सं. 10 में दी गई व्ययस्या के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से भी गई किसी भी गद के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की सारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साखपत्र द्वारा समयित पक्के आदेशों के मदे पोतलदान किया जाना चाहिए।

(12) यह लाइसेंस आयात (नियक्षण) आदेश, 1958 की अनुसूची-8 में शर्त सं. 1 के भी अधीन होगी।

(13) यदि किसी माल के आयात के समय लागू उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होंगे तो उस पर इस लाइसेंस का कोई प्रभाव नहीं होगा।

(14) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आभार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपाक्षण करने से किसी भी समय उन्मुक्ति, रियायत या कील प्रदान नहीं करता है जिस आभार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) या आयातक अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी :- इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "प्रगसा लाइसेंसिंग वर्ष" जहाँ भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (अण्ड-1) में उल्लिखित है।

[फा. सं. आई पी सी/3/18/85]

बुला सामान्य लाइसेंस सं. 15/86 दिनांक 1 अप्रैल, 1987 के लिए अनुसूची

1. निम्नलिखित अध्यापन सहायक

- (1) वैश्विक प्रकृति की रीडर एवं प्रिटर के सहित या बिना माइक्रो-फिल्म और माइक्रो-फिजिन; और
- (2) ओडियोकस्मैट के साथ या बिना वैश्विक प्रकृति के फिल्म स्ट्रिप्स/सलाइड्स; वैश्विक प्रकृति के ओडियो कस्मेट/ओडियो टेप्स और वैश्विक प्रकृति की वीडियो डिस्कें।

2. ब्रेल टाइपराइटर सहित अन्य व्यक्तियों के लिए अपेक्षित औजार और उपकरण

3. शैक्षिक वैज्ञानिक तथा तकनीकी पुस्तकों तथा पत्रिकाएँ (विषय की एक निदर्शी सूची आयात-निर्यात नीति 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-5 की सूची-7 में दी गई है) समाचार पत्रिकाएँ तथा समाचार पत्र।

4. आयात और निर्यात नीति 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 की सूची-2 में आने वाले जीवनसायक उपस्कर और उनके प्रतिरिक्त पुर्जों।

5. परिवार कल्याण उपकरण/यंत्र उपकरण अर्थात् निम्नलिखित :-

- (1) (क) लप्रोस्कोप;
- (ख) कलड स्कोप;
- (ग) हाइस्ट्रो-स्कोप;
- (घ) बैकयूम संकचन एपरेटयम
- (ङ) उनके उपसाधित और प्रतिरिक्त पुर्जों भी, और

(2) रबड़ कंटासेपटिव यंत्र (केवल शाय फायाम्स),

(3) इन्टरो-टेरिन् कंटासेपटिव यंत्र (रंगीन कंडास, द्रायाकराम, जैमी और फोम टिकिया, भारत के औषध नियंत्रक, नई दिल्ली द्वारा यथा अनुमोदित।

(4) फ्लेपिक रिंस (सिलेस्टिक बैण्डस)

6. आयात निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 की सूची 3, में आने वाले परिष्कृत भेषज की परीक्षण, जीवनसायक और कैंसर रोगी भेषज।

7. परिष्कृत रूप में होम्योपैथिक औषधियाँ या मूल रूप में और/या किसी भी पोटेन्सी के होम्योपैथिक भेषज (मिगल) "दुर्घ्न खोनी" सहित बोक में और बायोकेमिकल औषधियाँ।

8. आयात निर्यात नीति 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 की सूची-4 के अनुसार आयुर्वेदिक और यूनानी औषधियाँ बनाने के लिए अपेक्षित अपरिष्कृत भेषज (जड़, मोतियों और मृगों के आयात की अनुमति केवल पूर्ण रूप में और केवल गैर आसूषण किस्म के लिए दी जायगी।

9. दाल

10. खजूर (गोले या सूखे) भारतीय पौन यक्षनों द्वारा आयातित

11. सीधा नमक

12. (1) निम्नलिखित एक्स-रे फिल्मों (चिकित्सा)

- (1) आइन एम्पियोग्राफिक फिल्मों
- (2) क्राफिंग फिल्मों (एक्स-रे रेडियोग्राफ क्राफिंग के लिए)
- (3) दन्त एक्स-रे फिल्मों
- (4) बिना स्त्रीन के उपयोग की जाने वाली फिल्मों
- (5) लोन्डोजू मेमो-ग्राफिक फिल्मों
- (6) मास मिनेएनजर फिल्म
- (7) डुप्ले केटिंग फिल्मों के लिए 35 मि.मी. नेगेटिव और रिवर्सल किस्म की फिल्मों
- (8) चरमोनल अनुप्रवेशन में फिल्म
- (9) बेस्जर्स के उपयोग के लिए विशेष किस्म की फिल्मों एक्स-रे

(10) फीट स्कैनर्स के लिए एक्स-रे फिल्म

(2) एरो ग्राफिक फिल्मों

(3) फोटो टाइप सटिंग फ़ार सी/स्टेबिलाइजेशन रेपर

(4) मुद्रण उद्योग के लिए थर्मो ग्राफिक पोलिमिड रेजिन और एम्बोसिंग पाउडर

(5) माइक्रो-फाइल फिल्मों

(6) उनफा रैस और अल्ट्रा वायलैट फिल्मों

(7) गुरु मध्य चिकित्सा फिल्मों

13. हाथ घड़ी/घोबार घड़ी और टाइम पीस के लिए स्नेह तेल

14. फाटिंग हुक्स

15. (1) 16 मि.मी. या कम गैज वाली गैर काल्पनिक; शैक्षिक और शिक्षाप्रद फिल्मों, वीडियो फिल्म सहित) जिन्हें केन्द्रीय फिल्म प्रमाणीकरण बोर्ड ने "सर्वाधिक शैक्षिक और गैर-कॉमर्स" के रूप में प्रमाणित किया हो।

(2) 16 मि.मी. या कम गैज वाली काल्पनिक, शैक्षिक और शिक्षाप्रद फिल्मों (वीडियो फिल्म सहित) जो 800 मीटर या कम की लम्बी हों और जिन्हें फिल्म प्रमाणीकरण केन्द्रीय बोर्ड ने सर्वाधिक शैक्षिक फिल्म प्रमाणित कर दिया हो।

16. फोटो-ग्राफिक फिल्मों (रंगीनों)

17. फोटो ग्राफिक क्लर पेपर

18. 120 साइज रोल्स में विभिन्न फोटोग्राफिक फिल्मों (सादा)

19. भाषा मीखने के लिए रिफाई

20. खरास मनके

21. निम्नलिखित सिनेमेटोग्राफिक फिल्म अनुप्राभवास्त :-

(1) 8 एम एम (रंगीन) और

(2) 8 एम एम (सादी नेगेटिव)

22. 1985-88 की आयात निर्यात नीति (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 में सूची सं. 6 के अनुसार वस्तु सामग्री।

23. आयात निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 की सूची 9 के अनुसार आकालमिक मर्चें।

24. ओबीन जनरेटिंग अपरेट्स

25. रमोक सीटर्स-हाइड्रिज और बोल्ड टाइप-आटोमोबाइल इगजास्ट के लिए

26. आटोमोबाइल इगजास्ट के लिए बाह्यीम इगजास्ट से आने वाले सी ओ, एचसी, एन ओ एक्स, सी ओ, (इन पोलेटेन्स के एक या अधिक) के मापन के लिए-इगजास्ट गैस एनेलाइजर्स।

27. निम्नलिखित ऊर्जा के नवीकरणीय और परिवर्तक स्रोतों पर काम करने/प्रयुक्त करने के सिस्टम और डिवाइस सहित ऊर्जा वस्तु/संरक्षण उपस्कर :-

(1) वायु चालक जेनरेटर

(2) सीर ऊर्जा उपस्कर

(3) आटोमेटिक इलेक्ट्रानिक ट्राइंग टाइप के लिए वेराबिल कोन्स्टैंट सिस्टम जिसमें फोटो इलेक्ट्रानिक सेंसर भी शामिल है।

(4) पोर्टेबल एगजास्ट गैस और कम्बस्टन एनालाइजर

(5) स्टीम ट्रीप लीक डिटेक्टर

(6) अल्ट्रासोनिक लीक डिटेक्टर

(7) सोलर हीट कन्ट्रोल फिल्म

28. आयात निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट 2, 3 कागज, 8 और 10 में वर्णित ग्रे से प्राप्त निम्नलिखित के प्रतिरिक्त हूँ :-

- (1) मृदा मशीनरी,
- (2) मशीनी औजार धातु, लकड़ी, काँच और प्लास्टिक को काटने, रूप देने, बिसने और पालिश करने के लिए, किसी भी मानक या प्रमाणित उपकरण सहित, और
- (3) निम्नलिखित सहित सिनेमाटोग्राफिक उपकरण :-
 - (1) फिल्म और साउण्ड प्रिंटिंग लैम्प
 - (2) प्रोजेक्शन लैम्प-जीनोन या अर्गन
 - (3) सिनेमास्कोप लैंपों सहित लैंस/ग्लैस लेंस
 - (4) प्रोजेक्शन काल्युम हंडीकेटर्स
- (4) ट्रांस

29. 10 एच पी तक के ब्राउट बोर्ड मोटर्स

30. 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1) के परिशिष्ट 2, 3, 5 और परिशिष्ट -6 की किसी भी सूची में उल्लिखित से प्राप्त प्रयोगशाला और रीजेंट केमिकल्स

31. गिस्मोलिक एसिड

ORDER NO. 82/85—88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 15/87

S.O. 295(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, goods of the description specified in the Schedule annexed to this Order, as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, subject to the following conditions —

- (1) Except in the case of "Teaching Aids" covered by Serial No. 1, all other items covered by the Schedule annexed to this Order, may be imported by any person, for stock and sale purpose;
- (2) In the case of "Teaching Aids", import will be allowed only by recognised educational, scientific technical and research institutions, libraries of such institutions, Central or State Government Departments, industrial units engaged in research and Development work, registered medical institutions, hospitals, consultants, recognised chambers of Commerce, productivity councils, management Associations and professional bodies, for their own use;
- (3) In the case of pulses, all eligible importers shall be required to register their contracts with the National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India (NAFED). Import shall be made only after the connected contracts have been stamped by NAFED as an evidence of such registration. For this purpose, two copies of the

contract should be lodged with the NAFED; they will return one copy to the importer, duly stamped on each page, for production to the customs at the time of clearance of goods.

- (4) In the case of import of educational, scientific and technical books, the following conditions shall apply :—
 - (a) Import will not be permitted by any one importer (including his branches) of more than 1000 copies of a single title during the licensing period without the prior written clearance of the Ministry of Education, New Delhi. This restriction will not, however, apply to the English language Books, Society tiles and books under the Joint Indo-Soviet Text Book Programme;
 - (b) Import of foreign edition of books for which editions of authorised Indian reprints are available, will not be allowed;
 - (c) Import of foreign reprints of Indian publication will not be allowed without a specific prior written permission of the Ministry of Education, New Delhi.
 - (d) Import of only such navigational charts of Indian coastlines will be allowed as are specifically cleared by the Chief Hydrographer to the Government of India, Dehradun;
 - (e) Books, magazines and journals and pre-recorded cassettes containing pornographic materials or depicting sex, violence etc. will not be allowed to be imported.
 - (f) Import of unauthorised reprints of books published abroad will not be allowed. At the time of clearance through Customs, the importer shall furnish declaration to the effect that the books imported do not include those which are not allowed under Import-Export Policy, 1985-88.
 - (g) In case of records/pre-recorded cassettes forming an integral part of the book and of purely educational nature, the supplier has certified that records/pre-recorded cassette from an integral part of the book and the connected involve indicated the details of records/pre-recorded cassettes.
- (5) In the case of drug items, the requirements regarding possession of a valid licence under the Drug and Cosmetics Act, 1940, wherever necessary should be complied with.
- (6) In the case of dates, homeopathic medicines, anticancer drugs, life saving drugs and crude drugs, import will also be allowed in traditional small packing.
- (7) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.

- (8) In the case of energy saving/conservation equipment including systems and devices working on/used for Renewable and Alternate Sources of Energy, the importer shall furnish to the Department of Non-Conventional Energy Sources Block No. 14, Lodi Road C.G.O. Complex, New Delhi-110003, the following information pertaining to the equipment imported within 15 days of the clearance of goods from Customs :

- (i) Description of the equipment imported;
- (ii) Its cif value;
- (iii) Amount of customs duty paid on the imported equipment;
- (iv) Country from which imported.

- (9) Import of Gibberellic Acid will be allowed only by persons having valid registration under the Insecticides Act, 1968.

- (10) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year, without any grace period, whatsoever;

- (11) Notwithstanding what has been provided in condition No. (10) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the Public Interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice".

- (12) This Licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955;

- (13) Nothing in the licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

- (14) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

NOTE : For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Vol. I) for 1985-88.

[File No. IPC/3/18/85]

SCHEDULE TO OPEN GENERAL LICENCE No. 15/87 DATED : THE 1st APRIL, 1987

1. Teaching Aids, the following :

- (i) Microfilms and Microfilms of educational nature with or without readers-cum-printers; and
- (ii) Film strips/slides of educational nature with or without audio cassettes audio cassettes/ video tapes of educational nature and video discs of educational nature.

2. Instruments and equipments required by blind, including Braille typewriters.

3. Educational, scientific and technical books and journals (an illustrative list of subjects is given in list 7 of Appendix-6 of Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I) news magazines and newspapers.

4. Life-saving Equipment appearing in list No. 2 of Appedix-6 of Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I) and their spares.

5. Family welfare equipment/instruments, appliances, namely, the following :—

- (i) (a) Labroscope;
- (b) Culdscope;
- (c) Hysterioscope;
- (d) Vacuum Suction apparatus,
- (e) as well as their accessories and spares;
- (ii) Rubber contraceptives (diaphragms only).

- (iii) Intrauterine contraceptive devices coloured condoms, diaphragms, jelly and foam tablets, as approved by Drugs Controller of India, New Delhi; and

- (iv) Falopic rings (silastic bands),

6. Finished drug preparations, life saving and anti-cancer drugs appearing in List No. 3 in Appednix-6 of the Import and Export Policy for 1985-88 (Vol. I).

7. Homoeopathic medicines in finished form or Homoeopathic drugs (single) in basic form and/or of any potency, including Sugar or Milk in bulk and bio-chemic medicines.

8. Crude drugs required for making Ayurvedic and Unani medicines, as appearing in List No. 4 in Appednix 6 of Import and Export Policy for 1985-88 (Vol. I) (Import of Jade, pearls, and corals will be allowed only in powder form and of non-jewellery quality only).

9. Pulses

10. Dates (Wet or dry) (imported by Indian sailing vessels)

11. Rock Salt.

12. (i) X-Ray films (dedical), the following :

- (1) Cine angiographic films.
- (2) Copying films (for copying X-ray radiograph)
- (3) Dental X-ray film.

- (4) Films for use without screens.
- (5) Lo-dose mammographic films.
- (6) Mass miniature film.
- (7) 35mm negative and reversal types for duplicating films.
- (8) Personal monitoring films.
- (9) Special types of X-ray films used for changers.
- (10) X-ray films for cat scanners.
- (ii) Aerographic films.
- (iii) Photo type setting RC/Stabilisation paper.
- (iv) Thermo graphic polyimide raising and embossing powder for printing industry.
- (v) Microfilm films.
- (vi) Infra-red and ultra-violet films.
- (vii) Kidney surgery films.
13. Lubricating oils for watches, clocks, time-pieces and house service meters.
14. Fishing hooks.
15. (i) Non-fictional educational and instructional films (including video films) in a gauge of 16mm or less, certified by the Central Board of Film certification to be "predominantly educational and non-fictional".
- (ii) Fictional educational and instructional films including video films in a gauge of 16mm or less in length, certified by the Central Board of Film Certification to be "predominantly educational".
16. Photographic films (colour).
17. Photographic colour papers.
18. Photographic films (black and white) other than 120 and 620 size rolls.
19. Records for learning languages.
20. Rudrakshabeads.
21. Cinematographic films, not exposed, the following :—
 - (i) 8mm (colour) and
 - (ii) 8mm (black and white negative)
22. Dental items as per list No. 6 in Appendix 6 of Import and Export Policy for 1985-88 (Vol. I).
23. Items of ophthalmic use as per list 9 in Appendix 6 of Import and Export Policy 1985-88 (Vol. I).
24. Ozone generating apparatus.
25. Smoke meters—Hartridge and Bosch Types—for automobile exhaust.
26. Exhaust Gas Analysers for measurement of Co, HC, NOX, CO₂ (one or more of these pollutants) coming from vehicular exhaust—for automobile exhaust.
27. Energy saving/conservation equipment including systems and devices working on/used for Renewable and Alternative Sources of Energy, the following :
 - (i) Wind driven generators.
 - (ii) Solar Energy equipment.
 - (iii) Parabolic focussing systems of the automatic electronic tracking type, including photo-electric sensors.
 - (iv) Portable exhaust gas and combustion analysers.
 - (v) Steam trap leak detector.
 - (vi) Ultrasonic leak detector.
 - (vii) Solar heat control films.
28. Spares, except those included in the Appendices 2, 3 Part 'A' 8 and 10 of Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I) of :
 - (1) Printing machinery.
 - (2) Machine tools, for cutting, forming, abrading and polishing metals, wood, glass and plastics including any standard or ancillary equipment, and
 - (3) Cinematographic equipment including the following :—
 - (i) Picture and sound printing lamps
 - (ii) Projection lamps—Xenon or tungsten
 - (iii) Lenses/zoom lenses including cinema-scope lenses
 - (iv) Projection volume indicators.
 - (4) Trawlers
29. Out board Motors upto 10 H.P.
30. Laboratory and Reagent Chemicals other than these appearing in Appendices 2, 3, 5 and in any of the Lists of Appendix 6 of the Import and Export Policy (Vol. I) for 1985-88.
31. Gibberelic Acid.

प्रादेश सं. 83/85-88

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 16/87

का. मा. 296(घ) --आयाम-निरात (निर्माण) अभिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एनडू द्वारा (क) कृषि-विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित पाल्टी फार्मों/प्रणज शालाओं को पाल्टी पैकर्स (सभी प्रकार के), (ख) 10.2 लीटर और इससे कम पानी की क्षमता वाले बिक्रिता गैस सिलिंडर (ग) अग्निशमन के लिए 15 लीटर पानी की क्षमता वाले री ओ₂ गैस सिलिंडर, (घ) कोकन इलेक्ट्रिक मोटर्स (ङ) इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वाटर कन्ट्रोलिंग सिस्टम (च) ग्रेप गार्ड नेपर और (छ) फोटोग्राफिक रसायन-डिब्लेपर्स, जड़वारों इन्टे-सिकायर्स, रिड्यूसर्स, टनर्स और क्लोरिंग एजेंट्स (ज) 3/4 इंच व मेट्रिक आर एक इंच कोडिंगो कैसेट्स टेप और (झ) किसी भी तरह के कंप्यूटर

साफ्टवेयर का औद्योगिक एकक को दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर निम्नलिखित शर्तों के अधीन किसी भी देश से आयात की सामान्य अनुमति देती है :-

(1) पाल्ट्रो बैक्सीन के आयात के मामले में :-

(1) सीमाशुल्क से भाल की निकासी के समय आयातक पशुपावन आयुक्त, भारत सरकार कृषि विभाग से (विवरण/मात्रा/मूल्य) की अनिवार्यता के संबंध में एक विनिर्दिष्ट सिफारिश पत्र प्रस्तुत करेगा।

(2) संबद्ध आयातक, सीमाशुल्क से प्रेषण की निकासी के 15 दिनों के भीतर कृषि विभाग को आयातित मछों, उनकी मात्रा और उनके लागत बीमा भाड़ा मूल्य के ब्यौरों के संबंध में सूचना भेजेगा।

(3) आयातित माल संबद्ध पाल्ट्रोज फार्म/ग्रन्थजालाओं के पास "वास्तविक उपयोगिता" शर्त के अधीन होगा।

2. चिकित्सा गैस सिलिंडरों के मामले में आयात की स्वीकृति उन वास्तविक उपयोगिताओं (औद्योगिक) को दी जाएगी जिनके पास चिकित्सा गैस (आर्गन) और नाइट्रस आक्साइड के विनिर्माण के लिए औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण है और उनके पास अधिष तथा आगार प्रसाधन अधिनियम, 1940 के अधीन जारी किया गया वैज लाइसेंस है। यह निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा :-

(1) आयातित चिकित्सा गैस सिलिंडरों का उपयोग केवल चिकित्सा प्रयोजनार्थ चिकित्सा गैस कम्प्रेस्सिंग और मजारी के लिए हो होगा।

(2) आयात किए जाने वाले सिलिंडरों और इसमें लगे वालव मुख्य नियंत्रक, विस्कोटक द्वारा अनुमोदित होने चाहिए और गैस सिलिंडर नियम, 1981 के अधीन उपयोग के लिए स्विकृत हों।

(3) आयातित सिलिंडर आयात करने को तब से दस वर्ष की अवधि के लिए चिकित्सा गैस से प्राप्त अन्य किसी गैस सेवा के लिए उपयोग में नहीं लाए जाने चाहिए।

(4) आयातक मुख्य नियंत्रक, विस्कोटक से गैस सिलिंडर नियम, 1981 के अधीन अतिरिक्त आवश्यक अनुमति प्राप्त करेगा।

3. अग्निजमन के लिए 15 लीटर पानी की क्षमता तक के गैस सिलिंडर के मामले में उपर्युक्त पैरा 2(2) से (4) में उल्लिखित शर्तें लागू होंगी।

4. क्रोकन इलेक्ट्रिक मोटरों के मामले में धातु कतरन व्यापार कारपोरेशन लि. पात्र प्राधिकृत होगा। आयातित माल (एन एन.टी.सी.) धातु कतरन व्यापार कारपोरेशन द्वारा रखा जाएगा और पात्र वास्तविक उपयोगिताओं को विनिर्दिष्ट किया जाएगा।

5. इलेक्ट्रोमेगनेटिक वाटर कंडीशनिंग सिस्टम के मामले में स्थानीय निकाय (म्युनिसिपल कारपोरेशन आदि) सरकार विभाग और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र संस्थान पात्र प्राधिकृत होंगे।

6. (1) विनिर्दिष्ट और अतिरिक्त पैरा 2 के अधीन पात्र आयातक केन्द्र या राज्य सरकार/संबंधित क्षेत्र के कृषि विकास विभाग, सरकार द्वारा मायताप्राप्त कृषकों का सहकारिता समितियाँ, कृषकों के संघ होंगे। आयातित माल केवल अंगूर के उत्पादकों के वितरण के लिए होगा और आयातक आयातित माल के वितरण का उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखों को संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारों और सरकार प्राधिकारों को प्रस्तुत करेगा।

7. उपर्युक्त (क) में उल्लिखित फार्मों उपर्युक्त के मामले में (1) आप इस्टेबलिशमेंट के लिए लागू स्थानीय कानून के अधीन पंजीकृत

वास्तविक उपयोगिता और (2) राज्य संघीय निदेशक द्वारा प्रमाणित फिल्म, स्टूडियो फिल्म संसाधन प्रयोगशालाएं, पराक्षण प्रयोगशालाएं, पात्र आयातित होंगी।

8. उपर्युक्त (1) में उल्लिखित 3/4 इंच यू.मेट्रिक और एन इंच की ब्रियो केसेट्स/टिप्पा के मामले में पात्र आयातक वाणिज्यी साफ्टवेयर उत्पादन के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पास पंजीकृत होंगे।

9. प्रथम पैरा के (1) में उल्लिखित किसी तरह के भा कम्प्यूटर साफ्टवेयर के मामले में वे आयातक पात्र होंगे :-

(क) अपने उपयोग के लिए सरकारी विभाग और कम्प्यूटर विनिर्माताओं सहित वास्तविक उपयोगिता।

(ख) स्टॉक और बिक्री के प्रयोजन के लिए इलेक्ट्रॉनिक विभाग के साथ पंजीकृत किए हुए साफ्टवेयर सदन।

(ग) स्टॉक और बिक्री के लिए इलेक्ट्रॉनिक विभाग।

10. माल की निकासी के समय आयातक संबद्ध प्राधिकारों के पास मायता/पंजीकरण के ब्यौरे प्रार्थ मायता/पंजीकरण प्रमाणन की संख्या एवं विनांक के ब्यौरे देते हुए सीमाशुल्क प्राधिकारों को एक घोषणापत्र प्रस्तुत करेगा कि ऐसा मायता/पंजीकरण रद्द नहीं किया है। ऐसे मामलों में जहाँ संबद्ध प्राधिकारों द्वारा अलग मायता/पंजीकरण सं. आर्बिटिन नहीं की गई है तो आयातक सीमाशुल्क प्राधिकारों को संतुष्टि के लिए अन्य साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।

11. आयातक इस लाइसेंस के अंतर्गत आयात किए गए माल के उपयोग और उपयोग का लेखा निर्धारित प्रारूप में निर्धारित तरीके से रखेगा और लेखों को ऐसे समय के भीतर लाइसेंस प्राधिकारों को या अन्य सरकारी प्राधिकारों को प्रस्तुत करेगा जो इन प्रावधानों द्वारा निर्दिष्ट किया जाए।

12. इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका में उत्पादित या विनिर्मित न हो।

13. ऐसा माल किसी भी रियायती अवधि, चाहे वह जो कुछ भी हो, के बिना लाइसेंसिंग वर्ष के 31 मार्च को या इसके पहले परेषण के माध्यम से भारत के लिए लादो गया हो।

14. उपर्युक्त शर्त सं. 13 में दो गई व्यवस्था को बावजूद भी लोक हित में सरकार राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी मय के मामले में, सरकार को ऐसा समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने का तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिबर्तनीय साक्ष्य द्वारा समर्थित पत्रों आदेशों के मद्दे पोट सदान किया जाना चाहिए।

15. यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1955 का अनुसूची 5 की शर्त सं. 1 के भी अधीन होगा।

16. किसी माल के लिए उसके आयात की प्रभावी करने वाला कोई अन्य निवेश या वित्तिय होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

17. अन्य कानून या विनियमों के अंतर्गत वास्तविक उपयोगिता की अनिवार्यता या अनुपातपूर्ण पूर्ण करते हैं, यह लाइसेंस उनसे कोई उम्पुक्ति, छूट या रियायत किसी भी समय प्रदान नहीं करता है। आयातकों को सभी अन्य कानूनों के उल्लंघनों का पालन करना चाहिए जो उन पर लागू हैं।

टिप्पणी : इस अधिनियम के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "मयला लाइसेंसिंग वर्ष" का जहाँ भी संदर्भ प्राता है उसका वही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति खण्ड-II में उल्लिखित है।

[फाइल सं. आई पी सी-3/18/85]

ORDER NO. 83/85-88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 16/87

S.O. 296(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission for import of (a) poultry vaccines (all types) by poultry farms/hatcheries approved by the Department of Agriculture, Government of India, New Delhi, (b) Medical Gas Cylinders of 10.2 litre water capacity and below, (c) CO₂ Gas Cylinders up to 15 litres water capacity for fire extinguishers, (d) Broken Electric Motore, (e) Magnetic|Electromagnetic water conditioning system, (f) Grape Guard Paper, (g) Photographic chemicals—developers, fixers, intensifier, reducers, toners and cleaning agents, (h) 3¼ inch U-matic and 1 inch video cassettes|tapes, and (i) Computer software in any media, from any country except the Union of South Africa|South West Africa, subject to the following conditions:—

1. In the case of import of poultry vaccines :—

- (i) The importer shall, at the time of clearance of goods from the customs, furnish a specific recommendation from the Animal Husbandary Commissioner to the Government of India, Department of Agriculture, New Delhi regarding the essentiality of the material (description|quantity|value) to the party concerned;
- (ii) The importer concerned shall, within 15 days from the date of the clearance of the consignment from Customs, intimate to the Department of Agriculture, New Delhi, particulars of the items imported, their quantity, and cif value;
- (iii) The imported material shall be subject to the "Actual User" condition at the hands of the poultry farm|hatchery concerned.

2. In the case of medical gas cylinders, import shall be allowed to Actual Users (Industrial) having Industrial Licence|registration for manufacture of medical gas (oxygen) and nitrous oxide and having valid licence issued under the Drugs and Cosmetics Act, 1940. It shall also be subject to the following conditions :—

- (i) Imported medical gas cylinders shall be used only for medical purposes for compressing and supplying medical gas.
- (ii) Cylinders and valves fitted thereto to be imported must be of a type as approved by the Chief Controller of Explosives and accepted for use under the Gas Cylinders Rules, 1981.
- (iii) Cylinders imported should not be used for any gas service other than the medical gas for a period of 10 years from the date of importation.
- (iv) The importer shall obtain necessary permission from the Chief Controller of Explosives as required under the Gas Cylinder Rules, 1981.

3. In the case of CO₂ Gas Cylinders upto 35 litres water capacity for fire extinguishers, the conditions referred to in sub-para 2(ii) to (iv) above shall apply.

4. In the case of Broken Electric Motors, the eligible importer will be Metal Scrap Trade Corporation Ltd., the imported material shall be salvaged by M.S.T.C. and distributed to the eligible Actual Users.

5. In the case of Magnetic|Electromagnetic Water Conditioning System, the eligible importers shall be Local Bodies (Municipal Corporations etc.), Government Departments and other Public Sector undertakings.

6. In the case of Grape Guard Paper, the eligible importers will be agriculture development corporations of the Central or State Government| Union Territory co-operative societies of farmers, and Associations of farmers recognised by Government. The imported material shall be for distribution to Grape growers only and the importer shall maintain proper account of distribution of the imported goods and produce such accoount to the licensing authority and other concerned Government authorities.

7. In the case of photographic chemicals referred to in (g) above, the eligible importers will be (i) Actual Users registered under the local law applicable to shops and establishments and (ii) Film Studios film processing laboratories and testing laboratories certified as such by the State Director of Industries.

8. In the case of 3¼ inch U-matic and 1 inch video cassettes|tapes referred to in (h) above, the eligible importers will be units registered with the Ministry of Information & Broadcasting for video software generation.

9. In the case of computer software in any media referred to in (i) of the first paragraph, the eligible importers will be :—

- (a) actual users, including Government Departments, and computer manufacturers for their own use;
- (b) software houses registered with the Department of Electronics for the purpose of stock and sale;
- (c) Department of Electronics for stock and sale.

10. At the time of clearance of goods, the importer shall furnish to the Customs authority a declaration giving particulars of recognition|registration with the authority concerned, namely, number and date of recognition|registration certificate and affirming that such recognition|registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases where separate recognition|registration number has not been allotted by the authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authority.

11. The importer shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods imported

under this licence in the form and manner laid down and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specific by it.

12. The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.

13. Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year, without any grace period, whatsoever.

14. Notwithstanding what has been provided in condition No. 13 above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice.

15. This licence shall also be subject to the conditions No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.

16. Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

17. The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

NOTE : For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

[File No. IPC'3/18/85]

आदेश संख्या 84/85-88

खुला सामान्य लाइसेंस नं. 17/87

का.आ. 297 (अ).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन वंशज अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश में पूंजीगत माल का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है।

(1) पात्र आयातक निम्नलिखित होंगे :—

- (1) सर्वश्री कोल-इंडिया लि.
- (2) सर्वश्री नेवेरो लिमिटेड कार्पोरेशन लि.
- (3) सर्वश्री भारन कॉकिंग कोल लि.
- (4) सर्वश्री सेन्ट्रल कोल फील्डम लि.
- (5) सर्वश्री ईस्टर्न कोल फील्डम लि.
- (6) सर्वश्री वेस्टरन कोल फील्डम लि.
- (7) सर्वश्री सेन्ट्रल साइन प्लानिंग एण्ड डिजाइन इंडस्ट्रियुट लि.

(8) सर्वश्री सिगरेणी कोल्फील्ड कम्पनी लि.

(2) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे किया जायेगा।

(3) सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं के द्वारा यथासंशोधित में आयात निर्धारित नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-1 भाग क में उल्लिखित पूंजीगत माल के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी, पूंजीगत माल का प्रत्यक्ष मर्चों के संबंध में (परिशिष्ट-1 भाग ख में दर्शाई गई मर्चों को छोड़कर), आयात महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली से प्राप्त की जाने वाली देशी दृष्टिकोण से निकासी के अधीन होगा। सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं के द्वारा यथासंशोधित परिशिष्ट-1, भाग ख में दर्शाई गई मर्चों के लिए देशी दृष्टिकोण से निकासी की आवश्यकता नहीं होगी।

(4) इस प्रकार आयातित माल तबनिमित्त हो, यदि वह पुराना या सरम्मत युवा है तो आयात केवल सभी अनुमित किया जायेगा यदि मशीनरी 7 वर्ष से अधिक पुरानी नहीं है और उसकी बाकी की आयु पांच वर्षों से कम नहीं है, और आयातक माल की निकासी के समय सीमाशुल्क अधिकारी को जिस देश से माल आयात किया जाता है उस देश के स्वतंत्र व्यवसायी समूह प्रभियन्ता/अन्य इसके मुख्य संस्था से यह उल्लेख करते हुए एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा :—

(क) संयंत्र और मशीनरी के विनिर्माण का नाम

(ख) विनिर्माण का वर्ष

(ग) संयंत्र और मशीनरी की वर्तमान स्थिति और उसके संभावित प्रयोजन आयु,

(घ) यदि नया खरीदा जाए तो उसके मुख्य पूंजीगत माल की लागत बीमा भाड़ा मूल्य,

(ङ) सुधार/मरम्मत की किस्म यदि कोई हो और वह तारीख (जहाँ) जब मरम्मत की गई है।

(च) सुधारक द्वारा मांगी गई कीमत के संबंध में राय और ऐसी राय के लिए आधार।

(5) आयात (वास्तविक उपयोगिता) शर्त के अधीन होगा।

(6) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 की शर्त 1 के भी अधीन होगा।

(7) इस लाइसेंस आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में तैयार प्रथम विनिर्माण न किया गया हो।

(8) भारत को ऐसे माल का लदान किसी भी रियायती अवधि के बिना लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व, या लाइसेंसिंग वर्ष की फरवरी की अन्तिम तिथि को या इससे पूर्व विदेशी मुद्रा के व्यापार (बैंक) के माध्यम से पूंजीगत और की गई पक्की संविदा के मद्दे प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च, को या इससे पूर्व भारत को कर दिया गया हो

(9) उपर्युक्त शर्त सं. 8 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी शीत-हिन में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से लाई किसी मत के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिस के द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साख पत्र द्वारा समर्थित पक्के आवेदनों के मद्दे पोट लदान किया जाना चाहिए।

(10) यदि माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

- (11) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपभोक्ता (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो, तो उसके उमे वायित या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उम्मुचित, छूट या छील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानून के उपबन्धों का अनुपालन करना चाहिए।

टिप्पणी :—इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अगला" लाइसेंसिंग वर्ष" जहाँ भी संदर्भ में आता है उसका वहीं अर्थ है जो 1985-88 की खयात एवं निर्यात नीति (खंड-1) में उल्लिखित है।

[फाइल सं. आई पी सी /3/18/85]

ORDER NO. 84/85/88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 17/87

S.O. 297 (E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control), Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, Capital Goods, subject to the following conditions :—

(1) The eligible importers will be :—

- (i) M/s. Coal India Limited
- (ii) M/s. Neyveli Lignite Corporation Limited,
- (iii) M/s. Bharat Coking Coal Limited,
- (iv) M/s. Central Coalfields Limited,
- (v) M/s. Eastern Coalfields Limited,
- (iv) M/s. Western Coalfields Limited,
- (vii) M/s. Central Mine Planning and Design Institute Limited,
- (viii) M/s. Singareni Coaleries Company Limited.

(2) Import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purposes.

(3) Capital Goods mentioned in Appendix-I Part-A of Import and Export Policy, 1985-88 (Volum-I) as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, will not be allowed to be imported. In respect of other items of Capital Goods (excluding those appearing in Appendix I Part-B) import shall be subject to indigenous clearance to be obtained from DGTD, New Delhi. No indigenous clearance will be necessary for items appearing in Appendix-I Part-B as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette.

(4) The goods so imported shall be of new manufacture; if they are second-hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than seven years old and its remaining life is not less than five years and the importer shall produced to the customs authority at the time of clearance, a certificate from a professional independent Chartered Engineer/any equivalent insti-

tute in the country from which import is made, indicating :—

- (a) Name of manufacturer of the plant and machinery;
- (b) Year of manufacture;
- (c) Present condition of the plant and machinery and its expected residual life;
- (d) The CIF value of equivalent Capital Goods, if purchased new;
- (e) Nature of reconditioning/repairs done, if any, and the date(s) on which those were carried out;
- (f) Opinion regarding the price asked for by the suppliers and the basis for such opinion.

(5) The import shall be subject to Actual User Condition.

(6) The Licence shall also be subject to the condition No. (1) in Schedule V of the Imports (Control) Orders, 1955.

The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.

(8) Such Goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year or on or before 31st March of the following licensing year against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (bank) on or before the last date of February of the licensing year without any grace period whatsoever.

(9) Notwithstanding what has been provided in condition No. (8) above, in case any item is taken out or Open General Licence in the Public Interest by issue of Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice.

(10) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

(11) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

NOTE :—For the purposes of this Order, reference to "the licensing year" and "the following licensing year", wherever appears in this order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume-I) for 1985-88.

[File No. IPC/3/18/85]

आदेश सं. 85/85-88

खुला सामान्य लाइसेंस संख्या 18/87

का. आ. 298 (अ) :-आयात निर्यात (निर्यात) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आयात निर्यात नीति 1985-88 (खंड 1) सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं के द्वारा यथासंशोधित के अंतर्गत भारत में न रहने वाले भारतीयों की उपलब्ध सुविधाओं के अधीन वास्तविक उपयोगिताओं (औद्योगिक) द्वारा पूंजीगत माल, कच्ची सामग्री, संघटकों, उपभोग्यों और अतिरिक्त पुर्जों का दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से आयात करने की निम्नलिखित शर्तों के अधीन सामान्य अनुमति देती है :-

- (1) पात्र आयातक भारतीय अनिवार्य होंगे (जिसमें वह आधियासी भारतीय शामिल है, जिसने विदेशी राष्ट्रियता प्राप्त कर ली है और वह व्यक्ति विदेश में रहने वाला मूल रूप से भारतीय है)।
- (2) ऐसा पात्र व्यक्ति स्थाई रूप से भारत में ब्रह्मण स्थापित करने के लिए अस्थाई रूप से भारत में निवास करने के लिए आयात लाइसेंस/सीमाशुल्क निकासी परमिट जारी किए जाने की तारीख में दो वर्ष के समय के अंतर वापस आएगा और विद्यमान उद्योग के विस्तार, विविधीकरण या आधुनिकिकरण के लिए अथवा सेवा उद्योग स्थापित करने के लिए पूंजी लगाने सहित उस उद्योग में पूंजी लगाएगा।
- (3) सीमाशुल्क के माध्यम से माल की निकासी के समय उप-युक्त (1) और (2) के अंतर्गत अपनी पात्रता विधान के लिए आयातक संतोषजनक साध्य प्रस्तुत करेगा।
- (4) इस लाइसेंस के अधीन पात्र व्यक्ति मशीनरी और संबंधित कच्चे माल, संघटकों उपभोग्यों और अतिरिक्त पुर्जों का आयात निर्धारित शर्तों के अधीन भारत में उद्योग के उपयोग के लिए विदेश में कमाई गई अपनी विदेशी मुद्रा और स्त्रोतों से खरीद कर वास्तविक उपयोगिता शर्तों के अधीन कर सकता है, भारत से धन परप्रेषण करके नहीं। आयातित मशीनरी और अन्य माल का उपयोग आयातक द्वारा भारत में स्थापित किए जा रहे हैं उस उद्योग में किया जाएगा जिसमें आयातक लागू नीति के अनुसार धन लगा रहा हो। सीमा शुल्क से निकासी के समय आयातक यह घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा कि :-
 - (क) आयातित मशीनरी और अन्य माल आयातक द्वारा विदेश में कमाई से/स्त्रोतों से खरीदा गया है और उसमें भारत से कोई भी धन परप्रेषण शामिल नहीं है, और
 - (ख) सीमा शुल्क के माध्यम से निकासी की तिथि से तीन महीने के भीतर आयातक विषयाधीन मशीनरी और अन्य माल के आयात के विषय में उस राज्य उद्योग निदेशालय को सूचित करेगा जिमें मशीनरी का उपयोग किया जाएगा। परन्तु हलैक्ट्रानिक मर्चों के मामलों में सूचना हलैक्ट्रानिक विभाग, लोकनायक भवन, नई दिल्ली को भेजी जाएगी जिसकी एक प्रति संबंधित उद्योग निदेशक को भेजी जाएगी।
- (5) जनरेशन सैट्रज, कंप्यूटर सिस्टम, कार्यालय उपकरण, आदि रूपों और आयात निर्यात नीति, 1986-88 (खंड-1) परिशिष्ट-1, भाग-1क में प्रतिबंधित पूंजीगत माल और आयात निर्यात नीति 1985-88 (खंड-1) के परिशिष्ट-1 भाग-ख में जो शामिल है, उनसे भिन्न पुराने (प्रयुक्त पूंजीगत माल के आयात की अनुमति इस लाइसेंस के अधीन नहीं दी जाएगी)।
- (6.1) निम्नलिखित मर्चों में से औद्योगिक लाइसेंस विनियमों के अधीन एक या अधिक का निर्माण करने वाले हलैक्ट्रानिकी उद्योगों

के लिए पूंजीगत माल के आयात के लिए कोई भी उच्च सीमा नहीं होगी :-

- (1) हलैक्ट्रानिकी संघटक (एल एस आई, बी एल एस आई से भिन्न)
 - (2) हलैक्ट्रानिकी-यंत्र;
 - (3) टैप रिकार्डर्स;
 - (4) ट्यू-इन-ग्रन;
 - (5) हाई-फ्रीक्वेंसी उपकरण
 - (6) हलैक्ट्रानिकी अध्यापन सहाय;
 - (7) औद्योगिक और संसाधन नियंत्रण सिस्टम;
 - (8) प्रमुख सब सिस्टम, राबर्न नो-परिबद्ध सहाय क संचार उपकरण और
 - (9) हलैक्ट्रानिकी चिकित्सा उपकरण।
- (6.2) राबर्न नो-परिबद्ध सहाय और संचार उपकरण का निर्माण करने वाली यूनिटों के संबंध में, निर्माण कार्य आरंभ करने से पहले हलैक्ट्रानिकी विभाग लोकनायक भवन, नई दिल्ली से विशेष पूर्व अनुमोदन प्राप्त करना आवश्यक होगा;
- (6.3) इस प्रावधान के अंतर्गत कंप्यूटरों के निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी;
- (6.4) पात्र आयातक को उपर्युक्त शर्त सं. (6.1) में उल्लिखित मर्चों और उपकरणों के निर्माण के लिए अवैधित किसी भी पूंजीगत माल के आयात की अनुमति दी जाएगी। आयात के लिए देशी वृष्टिकोण से किसी प्रकार की निकासी की आवश्यकता नहीं होगी;
- (6.5) उपर्युक्त (6.1) में सूचीबद्ध उद्योगों के प्रस्तुत लाइसेंस के अंतर्गत कच्ची सामग्री, संघटक उपभोग्यों और अतिरिक्त पुर्जों के आयात की अनुमति भी औद्योगिक यूनिटों को केवल प्रथम 12 मास की आवश्यकताएं पूरी करने के लिए दी जाएगी। परिशिष्ट 2 और 5 में बताई हुई मर्चों की अनुमति भी खुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत नहीं दी जाएगी। आयात निर्यात नीति 1985-88 (खंड-1) के परिशिष्ट-3 में प्रवर्जित 5 लाख रुपये मूल्य से अधिक की मर्चों के मामले में हलैक्ट्रानिकी विभाग नई दिल्ली से पूर्व निकासी प्राप्त करनी होगी और ऐसी निकासी आयात के समय सीमा शुल्क प्राधिकारी को प्रस्तुत की जाएगी।
- (7) उपर्युक्त उपपरा (6.1) में उल्लिखित उद्योगों से भिन्न उद्योगों के मामले में आयातित मशीनरी का मूल्य 35 लाख रुपये (अवतरण लागत) से अधिक नहीं होगा और जिस यूनिट में आयातित मशीनरी का उपयोग किया जाएगा, उससे संयंत्र और मशीनरी में हुई कुल पूंजी का मूल्य सधुपैमाने के उद्योगों के लिए निर्धारित उच्च सीमा से अधिक होगा।
- (8) इस लाइसेंस के उपपरा (7) के अंतर्गत मशीनरी का आयात करने के लिए पात्र व्यक्ति भी अपनी प्रथम 12 महीनों की आवश्यकताएं पूर्ण करने के लिए कच्चे माल, संघटकों उपभोग्यों और अतिरिक्त पुर्जों जो मूल्य में 5 लाख रु. (लागत बीमा साझा) से अधिक न हों, का आयात इस लाइसेंस के अधीन कर सकते हैं। परिशिष्ट-2 और 5 में आई हुई मर्चों के आयात की अनुमति इस खुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत नहीं दी जाएगी। आयात निर्यात नीति, 1985-88 (खंड-1) के परिशिष्ट-3 में प्रवर्जित मर्चों के लिए महाविदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली या हलैक्ट्रानिकी विभाग, नई दिल्ली जैसा

भी सामग्री हो, उससे पूर्व निकासी प्राप्त करनी होगी। और वह आयात के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करनी होगी। आयातित माल का उपयोग उसी यूनिट में किया जाएगा जिसके लिए लाइसेंस के अधीन मशीनरी का आयात किया गया है।

- (9) इस प्रकार आयातित माल नव निर्मित होगा, यदि वह पुराना या मरम्मत शुद्ध है, तो आयात केवल तभी अनुमति किया जाएगा यदि मशीनरी 7 वर्ष से अधिक पुरानी नहीं है और उसकी बाकी की आयु पांच वर्षों से अधिक नहीं है और आयातक माल की निकासी के समय सीमाशुल्क अधिकारी को जिस देश से माल आयात किया जाता है उस देश के स्वतंत्र व्यवसायी समीचीन अभियन्ता/किसी अन्य इसके तुल्य संस्था से वह उल्लेख करते हुए एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा :-

(1) निरीक्षण की गई मशीनरी का स्वीरा

- (1) तकनीकी विश्लेषण के साथ विवरण मशीनरी का तकनीकी पैमाने/कोटिंग/फोटोग्राफ भी संलग्न किया जाए।
- (2) देश सहित, विनिर्माता का नाम
- (3) मशीन की क्रम सं./अथ पहचान चिह्न
- (4) विनिर्माण का वर्ष
- (5) बित्तमाल विज्ञेता के द्वारा मशीन की खरीद का वर्ष क्या वह मशीन नई अथवा पुरानी खरीदी गई थी ?

(2) निरीक्षण की स्थिति

- (1) क्या मशीनरी का निरीक्षण/प्रचलन स्थिति में किया गया था।
- (2) किए गए परीक्षणों के तकनीकी स्वीरे/परीक्षण रिपोर्ट की प्रति संलग्न की जाए।
- (3) निरीक्षण के लिए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय अपनाए गए मानक

(3) सनदी इंजीनियर की टिप्पणी मूल्यांकन

- (1) यदि कोई मुख्य सुधार किया गया हो/मरम्मत की गई हो तो उसकी लागत धेरे हुए स्मार्क के नाम और विनांक की सूचना दे जिससे सुधार किया है/मरम्मत की है।
- (2) मशीनरी की वर्तमान स्थिति और उसकी संभावित शेष आयु।
- (3) निरीक्षण की गई मशीनरी में कौन सी तकनीकी उत्पादकता शामिल है? अंतर्राष्ट्रीय मार्किट में उपलब्ध अद्यतन मशीनरी के साथ तुलना में प्रकाश डालते हुए औद्योगिकी अन्तर का भी उल्लेख करें।
- (4) अंतर्राष्ट्रीय मार्किट में ऐसी नई मशीनरी का अनुमानित लागत बीमा भाड़ा मूल्य।
- (5) संभरक द्वारा मांगी गई कीमत की औचित्यता पर टिप्पणी और ऐसे मत के लिए आधार।

- (10) न तो सलाई पूंजी और न ही लाभांशों को विदेश में प्रत्यावाहित करने की अनुमति दी जाएगी।

- (11) आयात वास्तविक उपयोगिता शर्त के अधीन होगा। पूंजीगत माल बेचने के लिए पांच साल की अवधि तक कोई अनुमति नहीं दी जाएगी।

- (12) संबद्ध औद्योगिक यूनिट को प्रस्तुत लाइसेंस के अधीन पूंजीगत माल के प्रथम परेक्षण के आयात की तिथि से 12 महीनों की अवधि के भीतर इस संबंध में लागू नीति और क्रिया-विधियों के अनुसार महानिदेशालय, तकनीकी विकास, नई दिल्ली से या राज्य के उद्योग निदेशक या अन्य संबद्ध प्राधिकारियों से औद्योगिक लाइसेंस या पंजीकरण प्राप्त करना होगा;

- (13) पात्र आयातक, विदेशी मुद्रा विनियमों का अनुपालन करेगे और लागू नियमों के अधीन यथाप्रपेक्षित विदेश में शेष विदेशी मुद्रा रखने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की आवश्यक अनुमति प्राप्त करेगा।

- (14) इस प्रकार आयातित माल दक्षिण अफ्रीका संघ/ब्रिगो पश्चिमी अफ्रीका में निर्यात न हो।

- (15) भारत की ऐसे माल का सदान परेक्षण के माध्यम से किसी भी रियायती अवधि के बिना चाहे जो कुछ भी हो लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व या मीचे संकेतित तिथियों की कर दिया जाता हो:-

(क) उक्त कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्य सामग्री के मामले में प्रगले लाइसेंसिंग वर्ष की 30 जून को या इससे पूर्व जिसके लिए जहां लाइसेंसिंग वर्ष की फरवरी मास की अंतिम तिथि को इससे पूर्व अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र खोल दिए जाते हैं;

(ख) उन पूंजीगत माल और फालतू पुर्णों के मामले में प्रगले लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व जहां लाइसेंसिंग वर्ष की फरवरी मास की अंतिम तिथि को इससे पूर्व एक पक्की संविदा कर ली गई हो और उसे विदेशी मुद्रा का लेन देन करने वाले बैंक के पास पंजीकृत कर दिया गया हो।

- (16) उपर्युक्त शर्त सं. 15 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मव के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र द्वारा समर्थित पक्के आदेशों के सहे पोत सदान किया जाना चाहिए।

- (17) यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा;

- (18) यह लाइसेंस किसी भी समय वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) या आयातक अब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उसके दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई अनुमति, छूट या वीस प्रदान नहीं करता है। आयातक को उसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालन करना चाहिए।

टिप्पणी:- इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अगला लाइसेंसिंग वर्ष" जहां भी संदर्भ में आता है उसका वहीं अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1) में उल्लिखित है।

(राजीव लोचन मिश्र)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
फाइल सं. आई पी सी/3/8/85)

संजुला सुब्राह्मण्यम, संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

ORDER NO. 85/85-88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 18/87

S.O. 298(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa, South West Africa, Capital Goods, raw materials, components, consumables and spares by Actual Users (Industrial) under the facilities available to non-resident Indian in the Import and Export Policy for 1985-88 (Volume-I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, subject to the following conditions :—

- (1) The eligible importers shall be non-resident Indians (which includes non-resident Indians who have acquired foreign nationality, and person of Indian origin residing abroad;
- (2) Such eligible person shall return to India for permanent settlement, within a period of two years from the date of issue of Import Licence/CCP for setting up an industry in India, including investment for expansion diversification or modernisation and existing industry or setting up a service industry.
- (3) At the time of clearance of goods through Customs, the importer shall produce satisfactory evidence to establish his eligibility under (1) and (2) above.
- (4) Eligible persons can import machinery and connected raw materials, components, consumables and spares under this Licence, subject to 'Actual User' condition, purchased out of the importer's foreign exchange earnings and resources abroad with no remittance from India, for use in an enterprise in India, subject to the conditions stipulated. The imported machinery and other materials shall be used in the industry being set up by the importer in India or for use in the industry in India in which the importer will be investing in accordance with the Policy in force. At the time of clearance through Customs, the importer shall furnish a declaration that :—
 - (a) The imported machinery and other materials has been purchased out of importers earnings/resources abroad, and does not involve any remittance from India; and
 - (b) Within three months of the date of clearance from the Customs, the importer shall inform about the import of the machinery and other materials, in question to the Director of Industries of the State in which the machinery shall be used. However, in the case of electronic items, the intimation should be sent to the Department of Electronics, Lok Nayak Bhavan, New Delhi, with a copy to the concerned Director of Industries.

(5) Import of generating sets computer systems, office equipment, prototypes, and restricted Capital Goods in Appendix-1 Part A of Import and Export Policy, 1985-88 (Volume-I) and second hand (used) Capital Goods except those covered by Appendix-1, Part-B of Import & Export Policy 1985-88 (Volume-I) shall not be allowed under this Licence.

- (6.1) There will be no upper limit for import of capital Goods meant for electronic industries manufacturing one or more of the following subject to industrial licensing regulations :—
 - (i) Electronic (Components (other than ISI, VLSI);
 - (ii) Electronic instruments;
 - (iii) Tape recorders;
 - (iv) Two-in-ones;
 - (v) Hi Fi Equipments;
 - (vi) Electronic teaching aids;
 - (vii) Industrial and process control systems;
 - (viii) Major subsystems, radar, navigational aides and communication equipment, and
 - (ix) Electronic medical equipment.
- (6.2) In respect of units manufacturing radars, navigational aides communication equipment, a specific prior approval of the Department of Electronics, Lok Nayak Bhavan, New Delhi shall be necessary before taking up manufacture;
- (6.3) Manufacture of computers of shall not be allowed under this provision;
- (6.4) The eligible importer will be allowed to import any Capital Goods necessary for the manufacturer of the items and equipments mentioned in condition No. (6.1) above. No clearance from indigenous angle would be required for import;
- (6.5) For industries listed in (6.1) above, import of raw materials, components, consumables, and spares will also be allowed under this licence, to meet only the first 12 months requirements of the industrial unit. Items appearing in Appendix-2 and 5 will not be allowed under O.G.L. Items appearing in Appendix-3 of Import-Export Policy 1985-88 (Volume-I) shall require prior clearance of the Department of Electronics, New Delhi, in case the value exceeds Rs. 5 lakhs and such clearance shall be produced to the customs authority at the time of import. Imported materials shall be used in the same unit for which the machinery under this licence is imported
- (7) In the case of industries other than those mentioned in sub-para (6.1) above, the

value of machinery imported shall not exceed Rs. 35 lakhs (landed cost) and the unit in which imported machinery shall be used will not have a total capital investment in plant and machinery of a value more than the upper limit fixed for small scale industries.

- (8) Persons eligible to import machinery under sub-para (7) of this licence, can also import raw materials, components, consumables and spares for meeting their first 12 months requirement under this licence, subject to a maximum of Rs. 5 lakhs (c.i.f.) in value. Items appearing in Appendices 2 & 5 will not be allowed under O.G.L. For items appearing in Appendix-3 of the Import & Export Policy, 1985-'88 (Volume-I) prior clearance from DGTD, New Delhi, or the Department of Electronics, New Delhi as the case may be, shall be obtained and produced to customs authority at the time of import. Imported material shall be used in the same unit for which the machinery under this licence is imported.

- (9) The Capital Goods imported shall be of new manufacture; if they are second-hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than seven years old and its remaining life is not less than five years, and the importer shall produce to the customs authority at the time of clearance, a certificate from a professional independent Chartered Engineer or any equivalent institute in the country from which import is made, indicating :—

1. Details of Machinery Inspected :

- (i) Description with technical specifications. Technical pamphlets/Photographs of the machinery may also be enclosed.
- (ii) Name of the manufacturer, with country.
- (iii) Sl. No./other identification mark of the machines.
- (iv) Year of manufacture.
- (v) Year of purchase of the machine by the present seller. Whether the machine was purchased new or used?

2. Nature of Inspection :

- (i) Whether the machinery was inspected in working condition.
- (ii) Technical details of tests carried out. A copy of the tests report may be enclosed.
- (iii) National/International Standards followed for the inspection.

3. Comments/Assessment of the Chartered Engineer :

- (i) Information on major reconditioning/repairs if any, carried out giving cost, name of the

firm which carried out reconditioning/repairs and the date.

- (ii) Present condition of the machinery and its expected residual life.
 - (iii) What generation of technology is involved in the machinery inspected? A comparison with latest machinery available in the international market, highlighting the technological gaps may also be made.
 - (iv) Estimated c.i.f. value of equivalent new machinery in the international market.
 - (v) Comments on reasonableness of price asked for by the suppliers and the basis for such opinion.
- (10) Neither the capital investment nor dividends shall be allowed to be repatriated abroad.
 - (11) Import shall be subject to 'Actual User' condition. No permission for sale of Capital Goods shall be allowed for a period of five years;
 - (12) The industrial unit concerned will be required to obtain industrial licence or registration with the DGTD, New Delhi or State Director of Industries, or other authorities concerned, in accordance with the policy and the procedures in force in this regard within a period of 12 months from the date of import of first consignment of Capital Goods under this licence.
 - (13) The eligible importers shall abide by the foreign exchange regulations and obtain necessary permission of the Reserve Bank of India to retain foreign currency balances abroad as required under the rules in force.
 - (14) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
 - (15) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year or on the dates mentioned below, without any grace period whatsoever.
 - (a) On or before 30th June of the following licensing year in the case of raw materials, components and consumables for which irrevocable letters of credit are opened and established on or before the last date of February of the licensing year.
 - (b) On or before 31st March of the following licensing year in the case of Capital Goods and spares where a firm contract has been entered into and registered with a foreign exchange dealer (bank) on or before the last date of February of the licensing year.

- (16) Notwithstanding what has been provided in condition (15) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice.
- (17) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are permitted import.
- (18) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from

an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. the importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

NOTE : For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume-I) for 1985-88.

Sd/-

R. L. MISHRA, Chief Controller of Imports and Exports.

[File No. IPC/3/18/85]

MANJULA SUBRAMANIAM, Jt. Chief Controller of Imports & Exports

